page 1 and 8 jan 31_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/31/2026 1:50 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-डीसी ने ग्राम एक्शन प्लान की समीक्षा की, छह गांव चिन्हित

5 डिकाक के तूफ़ानी शतक से साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी 20 में वेस्टइंडीज को विकेट से हराया

8 ढींगरी मशरूम की खेती

मौसम जम्मू न्यूनतम 10 अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-28 | जम्मू तवी, शनिवार 31 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

विश्व तनाव का सामना कर रहा है, गांधीवादी पथ दिशा प्रदान करता है: उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू, 30 जनवरी। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। न था, जो समकालीन संकटों से निपटने और उन विभाजनों को पाटने के लिए कालातीत ज्ञान प्रदान करता है जो वैश्विक समाज के सामूहिक भविष्य के लिए खतरा हैं

पूज्य बापू ने अपने जीवन और कार्यों से दिखाया कि सार्थक बदलाव के लिए सिर्फ़ शक्ति ही नहीं, बल्कि चरित्र और समर्पित प्रयास की भी ज़रूरत होती है- रश्न सिन्हा बापू ने कल्पना की थी कि मौलिक अधिकारों - मानवीय गरिमा, समानता, न्याय, हाशिए पर पड़े लोगों का कल्याण, और महिलाओं और युवाओं के अधिकारों, गरिमा और एकता की रक्षा करके हम सबसे गंभीर चुनौतियों के बीच भी अटूट सामाजिक शक्ति बना सकते हैं- रश्न मेरा मानना है कि बापू आज की दुनिया के लिए एक जीवित मार्गदर्शक हैं। अहिंसा, सत्य और आत्मनिर्भरता का उनका दर्शन आज भी उतना ही ज़रूरी है जितना भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान था, जो समकालीन संकटों से निपटने और उन विभाजनों को पाटने के लिए कालातीत ज्ञान प्रदान करता है जो वैश्विक समाज के सामूहिक भविष्य के लिए खतरा हैं, उपराज्यपाल ने कहा।

उपराज्यपाल ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

वह गांधी ग्लोबल फैमिली, जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित एक गंभीर कार्यक्रम में बोल रहे थे। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने शहीद दिवस पर सभी महान पुरुषों और महिलाओं के बलिदान और समर्पण को भी याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभा को संबोधित करते हुए, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने जम्मू-कश्मीर की शांति की अटूट इच्छा और गांधीवादी मूल्यों और आदर्शों की शाश्वत प्रासंगिकता पर बात की, जिन्होंने पीढ़ियों से हमारा मार्गदर्शन किया है। दुनिया और वैश्विक समाज तेज़ी से बदल रहा है। आज मानवता नई चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे उथल-पुथल के बीच, पूज्य महात्मा गांधी की शांत लेकिन शक्तिशाली आवाज़ वैश्विक समाज को शक्ति और दिशा प्रदान करती है। पूज्य बापू ने अपने जीवन और कार्यों से दिखाया कि सार्थक बदलाव के लिए न केवल शक्ति, बल्कि चरित्र और समर्पित प्रयास की आवश्यकता होती है, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा।

सीतारमण सबसे लंबे समय तक वित्त मंत्री रहीं; लगातार 9वां बजट करेंगी पेश

नई दिल्ली, 30 जनवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जो रविवार को लगातार अपना नौवां बजट पेश करेंगी, लगातार इस पद पर रहने वाली सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली वित्त मंत्री हैं।

सीतारमण ने 31 मई, 2019 को वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला था और उन्होंने COVID-19 महामारी और भू-राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान अर्थव्यवस्था को संभाला, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया।

सीतारमण ने 31 जनवरी, 2026 को अपने पद पर छह साल और आठ महीने पूरे किए। 1 फरवरी को, वह लगातार नौवां बजट पेश करेंगी।

बजट सत्र से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सीतारमण का लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करना भारत के संसदीय इतिहास में गर्व की बात के रूप में दर्ज किया जाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन लगातार वर्षों तक नहीं।

लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले दूसरे वित्त मंत्री सी डी देशमुख थे, जिन्होंने 1 जून, 1950 को मंत्रालय का कार्यभार संभाला था और लगभग छह साल और दो महीने तक पद पर रहे।

आर्थिक उदारीकरण को बढ़ावा देने के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह 21 जून, 1990 और 16 जून, 1996 के बीच लगभग पांच साल तक वित्त मंत्री रहे।

बाद में प्रधानमंत्री के रूप में, सिंह ने 2008 में एक बार और 2012 में फिर से थोड़े समय के लिए वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाला।

पी चिदंबरम ने लगभग आठ साल तक वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया, लेकिन चार अलग-अलग कार्यकालों में। अन्य जिन्होंने लंबे समय तक मंत्रालय का नेतृत्व किया, लेकिन गैर-लगातार कार्यकालों में, उनमें मोरारजी देसाई (लगभग 7 साल 9 महीने), प्रणब मुखर्जी (6 साल 4 महीने), अरुण जेटली (4 साल 8 महीने), वाई बी चव्हाण (4 साल 3 महीने) और यशवंत सिन्हा (4 साल 4 महीने) शामिल हैं। स्वतंत्र भारत के पहले वित्त मंत्री आर के शनमुखम चेट्टी थे।

विधानसभा बजट सत्र में रोज़ाना दो बैठकें होंगी

जम्मू तवी, 30 जनवरी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के आने वाले बजट सत्र में रोज़ाना दो बैठकें होने की संभावना है, क्योंकि शुक्रवार को स्पीकर अब्दुल रहीम राथर की अध्यक्षता में हुई बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सभी पार्टियों के विधायकों ने इसकी मांग की थी।

स्पीकर के चैंबर में हुई BAC की बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस, भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और CPI (M) के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

CPI(M) के सीनियर नेता और कुलगाम से विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने कहा कि BAC सदस्यों ने सर्वसम्मति से मांग की कि रोज़ाना दो बैठकें होनी चाहिए ताकि वे अपने मुद्दे उठा सकें।

उन्होंने कहा, स्पीकर ने सुझाव मान लिया और हमें बताया कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कामकाज के नियमों के अनुसार सदन शाम 5-00 बजे तक चल सकता है, और इससे ज्यादा समय तक भी चल सकता है।

कुपवाड़ा से विधायक और PDP के सबसे सीनियर विधायक मीर मोहम्मद फैयाज ने कहा कि सदन में रोज़ाना दो बैठकें होने की संभावना है ताकि निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और उसके लोगों से जुड़े अन्य मामलों पर भी चर्चा हो सके।

मौजूदा चलन के अनुसार, सदन सुबह 10:00 बजे शुरू होता है और दोपहर 1:30 बजे तक चलता है।

हालांकि, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कामकाज के नियमों के नियम 14 के अनुसार, सदन एक घंटे के लंच ब्रेक के साथ शाम 5:00 बजे तक चल सकता है।

जम्मू पुलिस ने फर्जी पहचान धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया

जम्मू, 30 जनवरी । डोमाना स्थित जम्मू पुलिस ने एक त्वरित और निर्णायक कार्रवाई में जम्मू नगर निगम के अधिकारियों के रूप में धोखाधड़ी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करके फर्जी पहचान धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद शबीक पिता गुलाम हुसैन निवासी अपर थथद्धर बंतलाब जम्मू के रुप में हुई है। आरोपियों ने खुद को जेएमसी अधिकारी बताकर मकान निर्माण की आधिकारिक नगरपालिका प्रक्रियाओं से संबंधित भ्रामक दावे किए। अपनी पहचान छिपाकर उन्होंने दस्तावेज़ तैयार करने के बहाने पीड़ितों से ऑनलाइन लेनदेन और नकद के माध्यम से धन हस्तांतरित करवाया। डोमाना पुलिस स्टेशन में मिली सूचना और शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। जम्मू नगर निगम से सत्यापन करने पर पुष्टि हुई कि आरोपी किसी भी रूप में जम्मू नगर निगम से संबद्ध नहीं थे जिससे यह साबित होता है कि आरोपी का कोई भोलापन नहीं था। -

एलओसी पर फिर देखे गए पाकिस्तानी ड्रोन, सेना ने फायरिंग करके भगाया

कुपवाड़ा, 30 जनवरी । उत्तरी कश्मीर के केरन सेक्टर के जोधा माकन बीरंदोरी में शुक्रवार को एक बार फिर पाकिस्तानी ड्रोन आसमान में उड़ते हुए देखे गए हैं।

भारतीय सेना ने आते हुए ड्रोन पर फायरिंग की, जिससे सभी ड्रोन पीछे हट गए। किसी तरह के नुकसान या जान के नुकसान की खबर नहीं है।

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा के पास केरन सेक्टर के जोधा माकन बीरंदोरी इलाके के पास आज सुबह लगभग 15 पाकिस्तानी ड्रोन उड़ते हुए देखे गए।

भारतीय सेना की 6 राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने हवाई क्षेत्र में ड्रोन देखने के बाद चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं।

प्रतिक्रिया के बाद कथित तौर पर सभी ड्रोन पीछे हट गए द्य

अधिकारियों ने कहा कि घटना में किसी की जान या क्षति की सूचना नहीं है। स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और क्षेत्र में निगरानी और तेज कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां ऐसी किसी भी हवाई गतिविधि पर नजर रखने और संभावित खतरों को रोकने के लिए एलओसी पर कड़ी सतर्कता बरत रही हैं।

ईयू-भारत व्यापार समझौता से असम की चाय पहुंचेगी यूरोप : अमित शाह

डिब्रूगढ़ (असम), 30 जनवरी । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौता यह सुनिश्चित करेगा कि असम की चाय बिना किसी टैरिफ के यूरोपीय देशों तक पहुंचे, जिससे राज्य के चाय उद्योग और निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा।

डिब्रूगढ़ के खानिकर परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने इस समझौते को असम की बागान अर्थव्यवस्था और उसके श्रमिकों के लिए एक बड़ा अवसर बताया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ बातचीत करने के लिए पेरिस और बर्लिन का दौरा कर चुके हैं और व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए यूरोपीय ब्लॉक के अन्य देशों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक बार अंतिम रूप देने के बाद यह व्यापार समझौता असम की चाय के लिए यूरोपीय बाजारों को खोल देगा, जिससे इसकी वैश्विक पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

मोदी सरकार के तहत भारत की विदेश नीति का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यूरोपीय संघ भारत के लिए एक भरोसेमंद व्यापार भागीदार के रूप में उभरा है, जो एक संतुलित वैश्विक व्यवस्था के साझा दृष्टिकोण को साझा करता है। उन्होंने कहा कि ईयू-भारत व्यापार समझौता न केवल निर्यातकों को लाभ पहुंचाएगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की रणनीतिक और आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेगा।

असम के चाय श्रमिकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शाह ने बागान मजदूरों को राज्य को एक विशिष्ट पहचान देने और एक प्रमुख चाय उत्पादक के रूप में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, डिब्रूगढ़ को चाय की राजधानी के रूप में जाना जाता है, और यह बागान मजदूर ही हैं, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि असम की चाय की खुशबू पूरी दुनिया में फैले। उन्होंने कहा कि उनकी कड़ी मेहनत ने असम की चाय को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त वस्तु बना दिया है।

चिल्लई कलां खत्म होते ही कश्मीर घाटी के अधिकांश हिस्सों में रात का तापमान बढ़ा

श्रीनगर, 30 जनवरी । अत्यधिक सर्दी के लिए मशहूर 40 दिन की अवधि वाला चिल्लई कलां शुक्रवार को समाप्त हो गया, जिसके बाद कश्मीर घाटी के अधिकांश हिस्सों में रात का तापमान बढ़ गया। श्रीनगर सहित कई इलाकों में पारा हिमांक बिंदु से ऊपर पहुंच गया, जिससे तीव्र ठंड से राहत मिली।मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो पिछली रात के शून्य से 0.6 डिग्री नीचे था। यह मौसमी सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक था। कोनिबल (1.0 डिग्री सेल्सियस), पुलवामा (0.1) और कुलगाम (1.1) सहित अन्य क्षेत्रों में भी रात का तापमान शून्य से ऊपर बना हुआ है। अधिकांश मौसम केन्द्रों पर तापमान मौसमी औसत से ऊपर दर्ज किया गया। गंदेरबल जिले में सोनमर्ग शून्य से 10.6 डिग्री सेल्सियस नीचे जम्मू-कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया

एआई एम्पैक्ट सम्मिट 2026 अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन होगा : अश्वनी वैष्णव

नई दिल्ली, 30 जनवरी । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026' को दुनिया भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इसमें करीब 100 देशों की भागीदारी होगी, जिसमें 15 राष्ट्राध्यक्षों के आने की पुष्टि हो चुकी है और 100 से ज्यादा वैश्विक सीईओ इसमें शामिल होंगे। इसके अलावा 40 देशों के मंत्रियों और 50 से अधिक प्रतिनिधिमंडल इसमें शामिल होंगे। यह दुनिया का चौथा और अब तक का सबसे बड़ा एआई समिट होगा।

केन्द्रीय मंत्री ने गुरुवार को यहां ओबरॉय होटल में एआई एम्पैक्ट सम्मिट में 'इम्पैक्ट एजेंडा- लीडरशिप रिफ्लेक्शंस' का विमोचन किया। इसमें 60 से अधिक उद्योग विशेषज्ञों ने एआई के भविष्य, समावेशी विकास और सामाजिक प्रभाव पर अपने विचार साझा किए हैं। इस दौरान उनके मंत्रालय में सहयोगी मंत्री जितिन प्रसाद और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी के बीच एआई एम्पैटक सम्मिट आयोजित होगा। 19 फरवरी को प्रधानमंत्री इसका औपचारिक तौर पर उद्घाटन करेंगे। पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि भारत का आईटी उद्योग अब सिर्फ सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि एआई आधारित समाधान देने पर जोर दे रहा है। उन्होंने बताया कि आईटी कंपनियां अपने कर्मचारियों को नए कौशल सिखा रही हैं, ग्राहकों को दोबारा समझ रही हैं और बाजार से नए सिरे से जुड़ रही हैं। यह बदलाव उत्साहजनक है। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान आईटी कंपनियों ने बताया कि वे अब तक 200 से अधिक छोटे, फोकस्ड और सेक्टर-विशेष एआई मॉडल विकसित कर चुकी हैं।

प्री-बजट कंसल्टेशन के केंद्र में लोगों की भलाई: सीएम

जम्मू, 30 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज जम्मू डिवीज़न के आठ ज़िलों के पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव के साथ प्री-बजट कंसल्टेशन प्रोसेस खत्म किया, और जम्मू-कश्मीर के ओवरऑल डेवलपमेंट के मकसद से बजट बनाने में इनक्लूसिव और पार्टिसिपेटरी अप्रोच के लिए सरकार के कमिटमेंट को दोहराया।

अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में डेवलपमेंट के कामों के बारे में कीमती इनपुट और फीडबैक के लिए लेजिस्लेटिव असेंबली के सभी मेंबर को धन्यवाद देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि ये कंसल्टेशन सिर्फ़ फॉर्मैलिटी नहीं थी, बल्कि ज़मीनी लेवल पर लोगों की ज़रूरतों और उनकी प्रायोरिटी को समझने के लिए एक ज़रूरी एक्सरसाइज़ थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, इसमें कोई शक नहीं था। ये कंसल्टेशन फॉर्मैलिटी नहीं हैं। अगर यह सिर्फ़ एक फॉर्मैलिटी होती, तो मैं आपको नहीं बुलाता। उन्होंने आगे कहा कि चुने हुए रिप्रेजेंटेटिव को सुनने से अक्सर ऐसे आइडिया और नज़रिए सामने आते हैं जिन पर सरकार शायद वरना विचार नहीं करती। उन्होंने कहा, आपकी बात सुनने के बाद, हमें कुछ ऐसे आइडिया मिले जिनके बारे में हमने सोचा नहीं था। अगर आपको बजट से फ़ायदा होता है, तो जम्मू और कश्मीर को फ़ायदा होगा। अगर जम्मू और कश्मीर को फ़ायदा होता है, तो आपका और मेरा काम पूरा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ज़ोर दिया कि सभी स्टेकहोल्डर्स का एक ही मकसद है। उन्होंने कहा, हम सब एक ही बात पर हैं—कि जम्मू और कश्मीर और जम्मू और कश्मीर के लोगों को फ़ायदा होना चाहिए। इन मीटिंग्स का यही मकसद है। उमर अब्दुल्ला ने आगे MLA को कंसल्टेशन प्रोसेस में एक्टिवली हिस्सा लेने और सरकार के सामने अपनी मांगें और सुझाव रखने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, आपने जो कहा है, जो लिखा है, और जो सबमिट किया है, वह सब नोट किया गया है।

वोकेशनल ट्रेनर्स के मासिक मानदेय में बढ़ोतरी

जम्मू तवी, 30 जनवरी। व्यावसायिक शिक्षा को मज़बूत करने और शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान को पहचानने के लिए, उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने आज समग्र शिक्षा और PM SHRI के तहत काम करने वाले वोकेशनल ट्रेनर्स के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा की। फैसले के अनुसार, 01.04.2022 से पहले नियुक्त वोकेशनल ट्रेनर्स को 25,000 रुपये का मासिक मानदेय मिलेगा, जबकि 01.04.2022 को या उसके बाद नियुक्त VTs को 22,000 रुपये का मासिक मानदेय मिलेगा। बढ़ी हुई मानदेय दरें 01-04-2024 से लागू होंगी और वोकेशनल ट्रेनिंग पार्टनर संशोधित दरों के अनुसार VTs को बकाया राशि का भुगतान करेंगे। इस बारे में बात करते हुए शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि यह फैसला कौशल-आधारित शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और उन शिक्षकों के कल्याण के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो छात्रों को रोज़गार योग्य कौशल से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा, वोकेशनल शिक्षकों ने अकादमिक शिक्षा और उद्योग-उन्मुख व्यावहारिक प्रशिक्षण के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे जम्मू और कश्मीर के कार्यबल की तैयारी और आर्थिक विकास में योगदान मिला है।

किश्तवाड़ में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज; मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित

जम्मू, 30 जनवरी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बर्फ से ढके चतरू इलाके में छिपे जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों के एक समूह का पता लगाने और उन्हें खत्म करने के लिए अपने चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान को तेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि चल रहे ऑपरेशन के दौरान राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा इसके दुरुपयोग से बचने के लिए सिंहपोरा, चिंगम और चतरू को कवर करने वाले छह किलोमीटर के दायरे में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहीं। इस इलाके में ऑपरेशन 18 जनवरी को शुरू किया गया था, जिसके बाद मंदराल-सिंहपोरा के पास सोनार जंगल में भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें एक पैराट्रूपर मारा गया और सात सैनिक घायल हो गए। हालांकि आतंकवादी घनी वनस्पति और मुश्किल इलाके का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे, लेकिन सुरक्षा बलों ने दो फीट से ज्यादा बर्फबारी के बावजूद आतंकवादियों की तलाश जारी रखी। सेना और आतंकवादियों के बीच 22 जनवरी को माली दाना टॉप और 25 जनवरी को जनसीर-कंडीवार में दो और मुठभेड़ हुईं, लेकिन आतंकवादी एक बार फिर जंगल के अंदरूनी इलाके में भाग गए। अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर गृह विभाग द्वारा जारी एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि सिंहपोरा, चिंगम और चतरू में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निलंबन 30 जनवरी को 23:59 बजे तक बढ़ा दिया गया है।

1 और 2 फरवरी को कश्मीर में नए पश्चिमी विक्षोभ से बारिश और बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 30 जनवरी । जम्मू और कश्मीर में 1 और 2 फरवरी को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की आशंका है जिससे केंद्र शासित प्रदेश के छिटपुट और काफी विस्तृत क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

श्रीनगर स्थित मौसम विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऊंचे इलाकों में मध्यम बर्फबारी होने की संभावना है और नई बर्फ जमा हो सकती है। विभाग ने बताया कि 31 जनवरी तक मौसम अधिकतर शुष्क रहने की संभावना है, शाम तक बादल छा जाएंगे। मौसम प्रणाली के गुजरने के बाद 3 फरवरी से मौसम में सुधार होने का अनुमान है और 3 से 6 फरवरी तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

इस पूर्वानुमान को देखते हुए अधिकारियों ने यात्रियों और परिवहनकर्ताओं को सावधानी बरतने की सलाह जारी की है। उन्हें यात्रा शुरू करने से पहले, विशेष रूप से पहाड़ी मार्गों और अंतर-जिला सड़कों पर सड़क और राजमार्ग की स्थिति के बारे में यातायात अधिकारियों से जानकारी लेने की सलाह दी गई है। अधिकारी ने बताया कि बर्फ से ढके और उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बर्फबारी के दौरान फिसलन भरे और हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में जाने से सावधान किया गया है।

मंदिरों की नगरी वृन्दावन

मथुरा से 15 किमी.की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित ''गोविन्द देव मंदिर'' तथा उत्तर शैली में बना ''रंगजी मंदिर'' एवं कृष्ण-बलराम के मंदिर भी दर्शनीय हैं। वृंदा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृंदावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृंदा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृंदावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर

बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रात : 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन

यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे-भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण-राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रात : देखते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर

निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े-मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पांवों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर

दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई.में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊँचा सोने का गरूड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी। चाँदी व सोने का सिंहासन, पालकी एवं चंदन का विशाल रथ दर्शनीय है। मंदिर परिसर में एक जलकुण्ड बना है। बताया जाता है कि यहां कृष्ण ने गजेन्द्र हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़वाया था।

वृन्दावन के अन्य मंदिरों में श्री राधा मोहन मंदिर, कालीदह, सेवाकुंज, अहिल्या टीला, ब्रह्म कुण्ड, श्रृंगारवट, चीर घाट, गोविन्द देव मंदिर, काँच का मंदिर, गोपेश्वर मंदिर एवं सवा मन सालिग्राम मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

वैकुंठ धाम कहां और कैसा है

वैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है- जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि वैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। कहते हैं कि मरने के बाद पुण्य कर्म करने वाले लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। हालांकि वेद यह नहीं कहते हैं कि मरने वे बाद लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। वेदों में मरने के बाद की गतियों के बारे में उल्लेख मिलता है और मोक्ष क्या होता है इस पर ही ज्यादा चर्चा है। खैर, हम आपको पुराणों की धारणा अनुसार बताना चाहेंगे कि वैकुंठ धाम कहां है और वह कैसा है।

वैकुंठ धाम कहां है ?

हिन्दू धर्म के अनुसार कैलाश पर महादेव, ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। उसी तरह भगवान विष्णु का निवास वैकुंठ में बताया गया है। वैकुंठ लोक की स्थिति तीन जगह बताई गई है। धरती पर, समुद्र में और स्वर्ग के ऊपर। वैकुंठ को विष्णुलोक और वैकुंठ सागर भी कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाद इसे गोलोक भी कहने लगे। चूंकि श्रीकृष्ण और विष्णु एक ही हैं इसीलिए श्रीकृष्ण के निवास स्थान को भी वैकुंठ कहा जाता है।

पहला वैकुंठ धाम

धरती पर बद्रीनाथ, जगन्नाथ और द्वारिकापुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। चारों धामों में सर्वश्रेष्ठ हिन्दुओं का सबसे पावन तीर्थ बद्रीनाथ, नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा, अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। भारत के उत्तर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु का दरबार माना जाता है।

बद्रीनाथ धाम में सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ आराध्य देव श्री बद्रीनारायण भगवान के 5 स्वरूपों की पूजा-अर्चना होती है। विष्णु के इन 5 रूपों को 'पंच बद्री' के नाम से जाना जाता है। श्री विशाल बद्री, श्री योगध्यान बद्री, श्री भविष्य बद्री, श्री वृद्ध बद्री और श्री आदि बद्री। बद्रीनाथ के अलावा द्वारिका और जगन्नाथपुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। त्रेतायुग में रामेश्वरम की स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। द्वापर युग में द्वारिकाधाम की स्थापना योगीश्वर श्रीकृष्ण ने की और कलयुग में जगन्नाथ धाम को ही वैकुंठ कहा जाता है। पुराणों में धरती के बैकुंठ के नाम से अंकित जगन्नाथ पुरी का मंदिर समस्त दुनिया में प्रसिद्ध है। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार पुरी में भगवान विष्णु ने पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतार लिया था।

दूसरा वैकुंठ धाम

दूसरे वैकुंठ की स्थिति धरती के बाहर बताई गई है। इसे ब्रह्मांड से बाहर और तीनों लोकों से ऊपर बताया गया है। यह धाम दिखाई देने वाली प्रकृति से 3 गुना बड़ा है। इसकी देखरेख के लिए भगवान के 96 करोड़ पार्षद तैनात हैं। हमारी प्रकृति से मुक्त होने वाली हर जीवात्मा इसी परमधाम में शंख, चक्र, गदा और पद्म के साथ प्रविष्ट होती है। वहां से वह जीवात्मा फिर कभी भी वापस नहीं होती। यहां श्रीविष्णु अपनी 4 पटरानियों श्रीदेवी, भूदेवी, नीला और महालक्ष्मी के साथ निवास करते हैं।

इसी वैकुंठ के बारे में कहा जाता है कि मरने के बाद विष्णु भक्त पुण्यात्मा यहां पहुंच जाती है। पुराणों के अनुसार इस वैकुंठ की स्थिति हमारे ब्रह्मांड के परे है। जीवात्मा जब उस वैकुंठ की यात्रा करती है, तो उसको विदा देने के लिए मार्ग में समय के देवता, प्रहर के देवता, दिवस के देवता, रात्रि के देवता, दिन के देवता, ग्रहों के देवता, नक्षत्रों के देवता, माह के देवता, मौसम के देवता, पक्ष के देवता, उत्तरायण के देवता, दक्षिणायन के देवता सभी तलों (अतल, सुतर, पाताल आदि) के देवता, सभी 33 कोटि के देवता पहले उसे पुन : किसी योनि में धकेलने का प्रयास करते हैं या वैकुंठ जाने देने से रोकते हैं। लेकिन जो जीवात्मा प्रभु श्रीविष्णु की शरणागति होता है उसको ये सभी एकपाद विभूति के अंतिम सीमा तक जाते हैं और त्रिपाद विभूति के बाहर प्रवाहित होने वाली विरजा नदी के तट पर छोड़ देते हैं।

इसी एकपाद विभूति में हमारा संपूर्ण ब्रह्मांड और सारे लोक अवस्थित हैं। इस एकपाद विभूति की सीमा के बाद शुरू होता है वैकुंठ धाम। पौराणिक मान्यता है कि इसी वैकुंठ धाम और एकपाद विभूति के मध्य विरजा नामक एक नदी बहती है। इस नदी से ही त्रिपाद विभूति शुरू होती है, जो वैकुंठ लोक है। मुक्त होने वाली जीवात्मा को जब सभी देवता विरजा नदी तक छोड़कर जाते हैं तब वह जीवात्मा नदी में डुबकी लगाकर उस पार चली जाती है। उस पार से पार्षदगण उसको सीधे श्रीहरि विष्णु के पास ले जाते हैं। वहां वह उनके दर्शन करके परम आनंद को प्राप्त करता है। इस प्रकार त्रिपाद विभूति में ही वह जीवात्मा सदा के लिए स्थापित हो जाती है। पुराणों में इस वैकुंठ धाम का बड़ा ही रोचक चित्रण किया गया है।

'हे अर्जुन! अव्यक्त 'अक्षर' इस नाम से कहा गया है, उसी अक्षर नामक अव्यक्त भाव को परमगति कहते हैं तथा जिस सनातन अव्यक्त भाव को प्राप्त होकर मनुष्य वापस नहीं आते, वह मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 21।।

तीसरा वैकुंठ धाम

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका के बाद एक ओर नगर बसाया था जिसे वैकुंठ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक अरावली की पहाड़ी श्रृंखला पर कहीं वैकुंठ धाम बसाया गया था, जहां इंसान नहीं, सिर्फ साधक ही रहते थे। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू-शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। अरावली या 'अर्वली' उत्तर भारतीय पर्वतमाला है। राजस्थान राज्य के पूर्वोत्तर क्षेत्र से गुजरती 560 किलोमीटर लंबी इस पर्वतमाला की कुछ चट्टानी पहाड़ियां दिल्ली के दक्षिण हिस्से तक चली गई हैं। अगर गुजरात के किनारे अर्बुद या माउंट आबू का पहाड़ उसका एक सिरा है तो दिल्ली के पास की छोटी-छोटी पहाड़ियां धीरज दूसरा सिरा।

वैकुंठ और परमधाम में अंतर

परमधाम- कहते हैं कि परमधाम में जाने के बाद जीवात्मा सदा के लिए जीवन और मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। यह धाम सबसे ऊपर अर्थात सर्वोच्च है। यहां निरंतर अक्षय सुख की अनुभूति होती रहती है। यह धाम स्वयं प्रकाशित है। यहां न सुख है और न दुख, यहां बस परम आंद ही है।

वैकुंठ धाम - मान्यता है कि इस धाम में जीवात्मा कुछ काल के लिए आनंद और सुख को प्राप्त करती है, लेकिन सुख भोगने के बाद उसे पुन : मृत्युलोक में आना होता है। इस स्थान को स्वर्ग से ऊपर बताया गया है। वैकुंठ के ऊपर कैलाश पर्वत है। वैकुंठ को सूर्य और चन्द्र प्रकाशित करते हैं। यहां गौर करें तो यह विष्णु का बद्रीनाथ धाम हो सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान श्रीविष्णु के धाम को वैकुंठ धाम कहा जाता है। आपने चार धामों के नाम तो सुने ही होंगे- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम। इसमें से बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का धाम है। मान्यता के अनुसार इसे भी वैकुंठ कहा जाता है। यह जगतपालक भगवान विष्णु का वास होकर पुण्य, सुख और शांति का लोक है।

'हे अर्जुन! जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है, न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 15, श्लोक 6।।

'हे अर्जुन! ब्रह्मलोक सहित सभी लोक पुनरावर्ती हैं, परंतु हे कुंतीपुत्र! मुझको प्राप्त होकर पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि मैं कालातीत हूं और ये सब ब्रह्मादि के लोक काल द्वारा सीमित होने से अनित्य हैं।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 16।।

प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड की खासियत

कोदंड : एक बार समुद्र पार करने का जब कोई मार्ग नहीं समझ में आया तो भगवान श्रीराम ने समुद्र को अपने तीर से सुखाने की सोची और उन्होंने तरकश से अपना तीर निकाला ही था और प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि समुद्र के देवता वरुणदेव प्रकट हो गए और उनसे प्रार्थना करने लगे थे। बहुत अनुनय-विनय के बाद राम ने अपना तीर तरकश में रख लिया। भगवान श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया। उनके धनुष बाण को कोदंड कहा जाता था।

देखि राम रिपु दल चलि आवा।
बिहसी कठिन कोदण्ड चढ़ावा।।

अर्थात शत्रुओं की सेना को निकट आते देखकर श्रीरामचंद्रजी ने हंसकर कठिन धनुष कोदंड को चढ़ाया।

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था इसीलिए प्रभु श्रीराम को कोदंड कहा जाता था। कोदंड का अर्थ होता है बांस से निर्मित। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था। कोदंड नाम से भिलाई में एक राम मंदिर भी है जिसे 'कोदंड रामालयम मंदिर' कहा जाता है। भगवान श्रीराम ने दंडकारण्य में 10 वर्ष से अधिक समय तक भील, वनवासी और आदिवासियों के बीच रहकर उनकी सेवा की थी।

कोदंड की खासियत : कोदंड एक ऐसा धनुष था जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी को पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा। तुलसीदासजी लिखते हैं कि जैसे मंदबुद्धि चींटी समुद्र की थाह पाना चाहती हो उसी प्रकार से उसका अहंकार बढ़ गया था और इस अहंकार के कारण वह-

।।सीता चरण चोंच हतिभागा।
मूढ़ मंद मति कारन कागा।।

।।चला रुधिर रघुनायक जाना।
सीक धनुष सायक संधाना।।

वह मूढ़ मंदबुद्धि जयंत कौवे के रूप में सीताजी के चरणों में चोंच मारकर भाग गया। जब रक्त बह चला तो रघुनाथजी ने जाना और धनुष पर तीर चढ़ाकर संधान किया। अब तो जयंत जान बचाने के लिए भागने लगा। वह अपना असली रूप धरकर पिता इन्द्र के पास गया, पर इन्द्र ने भी उसे श्रीराम का विरोधी जानकर अपने पास नहीं रखा। तब उसके हृदय में निराशा से भय उत्पन्न हो गया और वह भयभीत होकर भागता फिरा, लेकिन किसी ने भी उसको शरण नहीं दी, क्योंकि रामजी के द्रोही को कौन हाथ लगाए? जब नारदजी ने जयंत को भयभीत और व्याकुल देखा तो उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हें प्रभु श्रीराम ही बचा सकते हैं। उन्हीं की शरण में जाओ। तब जयंत ने पुकारकर कहा- 'हे शरणागत के हितकारी, मेरी रक्षा कीजिए प्रभु श्रीराम।

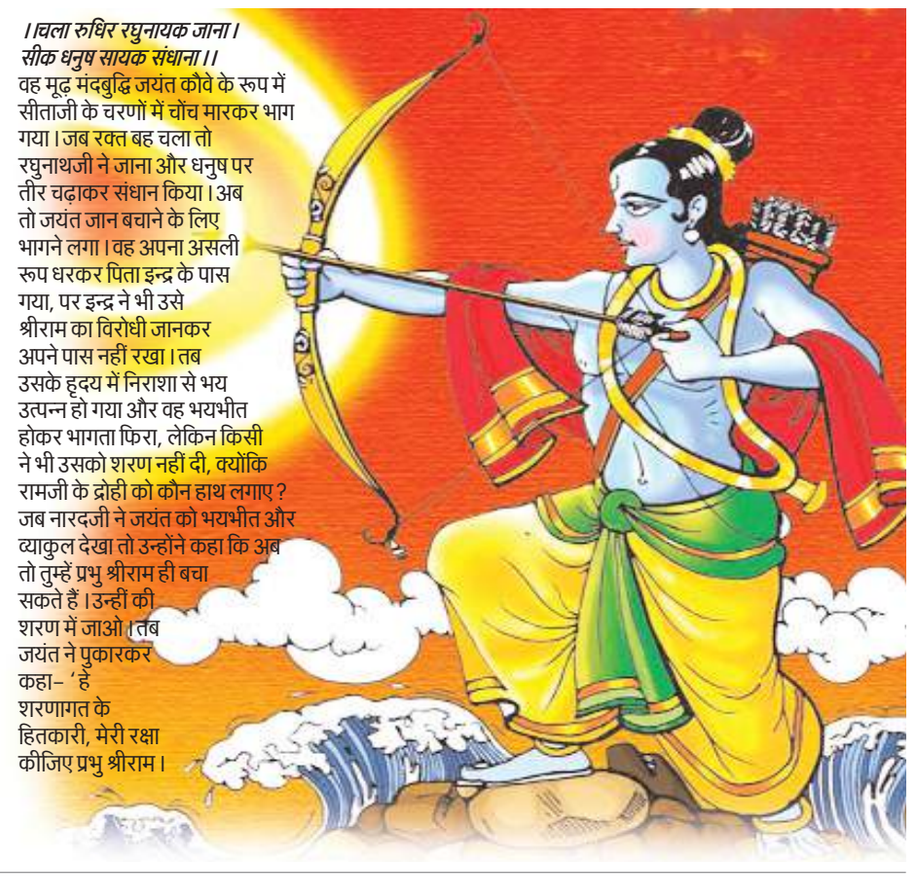

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-डीसी ने ग्राम एक्शन प्लान की समीक्षा की, छह गांव चिन्हित

कठुआ, 30 जनवरी (हि.स.)। सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास को लेकर उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने बुधवार को जीवंत गांव कार्यक्रम-2 के अंतर्गत ग्राम एक्शन प्लान की तैयारी की समीक्षा हेतु बैठक की। बैठक में आईसीडीएस, जिला उद्योग केंद्र, योजना विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागीय समन्वय और कन्वर्जेंस पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि वीवीपी-2 के तहत कठुआ जिले के बोबिया, कड़ियाला, गंजाल, करोल कृष्णा, रठुआ और गुजर चक गांवों को विकास के लिए चिन्हित किया गया है। इन गांवों में सरकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ सुनिश्चित करने के साथ-साथ दस प्रमुख क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा। उपायुक्त को अवगत कराया गया कि चयनित गांवों का बेसलाइन सर्वे पूरा हो चुका है, जिसके आधार पर आवश्यकता आधारित और परिणामोन्मुखी ग्राम एक्शन प्लान तैयार किए जाएंगे। ग्राम एक्शन प्लान में शिक्षा, कौशल विकास, ऊर्जा, वित्तीय समावेशन, आजीविका, पर्यटन, सड़क, दूरसंचार, स्वास्थ्य और ग्रामीण अधोसंरचना पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उपायुक्त राजेश शर्मा ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सीमावर्ती गांवों के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सके।

डीसी कठुआ ने सीमा चैकियों व सड़कों के लिए भूमि अधिग्रहण की समीक्षा की

कठुआ, 30 जनवरी (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने बुधवार को जिले में सीमा चैकियों (बीओपी), एक्सियल सड़कों और लिंक सड़कों के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रगति की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान लंबित मामलों की स्थिति, राजस्व सत्यापन, मुआवजा भुगतान, दस्तावेजी औपचारिकताओं तथा संबंधित विभागों के बीच समन्वय से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि बीओपी और उससे जुड़ा सड़क ढांचा सीमा सुरक्षा और बेहतर कनेक्टिविटी के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बीएसएफ और कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें, ताकि सभी परियोजनाएं तय समय में पूरी हो सकें।

कठुआ वन विभाग की बड़ी कार्रवाई-प्रतिबंधित पॉलिथीन से भरा ट्रक जब्त, 118 बैग बरामद

कठुआ, 30 जनवरी (हि.स.)। प्रतिबंधित पॉलिथीन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कठुआ वन विभाग ने पंजाब से जम्मू-कश्मीर में प्रवेश कर रहे एक ट्रक से 118 बैग प्रतिबंधित पॉलिथीन बरामद कर ट्रक सहित जब्त कर लिया, जबकि चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यह कार्रवाई डीएफओ कठुआ अंकित सिन्हा आईएफएस के समग्र पर्यवेक्षण में तथा रेंज अधिकारी कठुआ नितिन खजुरिया की देखरेख में की गई। वन विभाग की टीम ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब को जोड़ने वाले किढ़िया-गंड़ियाल मार्ग पर लगाए गए नाके के दौरान ट्रक संख्या पीबी08एफएम-2205 को जांच के लिए रोका, जो पंजाब की ओर से जम्मू-कश्मीर में प्रवेश कर रहा था। जांच के दौरान ट्रक से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलिथीन के बैग बरामद किए गए। इसके बाद ट्रक को जब्त कर रेंज ऑफिस कठुआ कार्यालय लाया गया, वहीं चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

रेंज अधिकारी नितिन खजुरिया ने बताया कि कुल 118 बैग प्रतिबंधित पॉलिथीन बरामद की गई है और यह मामला एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करता है, जिसकी गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त नेक्सस को जल्द ही बेनकाब किया जाएगा। रेंज अधिकारी ने आम जनता से भी अपील की कि केवल विभागीय कार्रवाई से ही पॉलिथीन पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। इसके लिए जनसहयोग जरूरी है। उन्होंने लोगों से पॉलिथीन का उपयोग बंद कर कपड़े या जूट के थैलों को अपनाने की अपील की। फिलहाल वन विभाग द्वारा ट्रक को जब्त कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

जम्मू के स्वास्थ्य सेवा निदेशक ने उप जिला अस्पताल दरहाल का देर शाम निरीक्षण किया

राजौरी, 30 जनवरी (हि.स.)। जम्मू के स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. अब्दुल हामिद जरगर ने राजौरी जिले के अपने चल रहे दौरे के तहत देर शाम एसडीएच दरहाल के उप जिला अस्पताल का दौरा किया।

दौरे के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य संस्थान के समग्र कामकाज की समीक्षा की।

निदेशक ने आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, उपकरणों और कर्मचारियों की उपलब्धता का आकलन किया और सेवा वितरण पर प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखने, मानक उपचार प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने और चौबीसों घंटे रोगी देखभाल सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने और परिधीय स्तर पर रोगी सेवाओं में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए। इस दौरे का उद्देश्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी कार्यान्वयन और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना था।

दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला के कान से सोने की बाली झपटी

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के जम्मू शहर में चोरों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताज़ा मामला बेहद चौंकाने वाला है जहां दिनदहाड़े एक बुजुर्ग महिला के कान से सोने की बाली झपट ली गई।

जानकारी के अनुसार बुजुर्ग महिला धूप में बैठी हुई थी। तभी एक अज्ञात चोर मौके का फायदा उठाकर उनके कान से सोने की बाली छीनकर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

यह मामला जम्मू के पुलिस थाना पक्का डंगा क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जम्मू ने करीब 9 किलो चरस बरामद की; अंतरराज्यीय मादक पदार्थों के तस्कर को किया गिरफ्तार

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। जम्मू ने 8.47 किलो चरस बरामद कर अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल दो अंतरराज्यीय मादक पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार करके बड़ी सफलता हासिल की। इस अभियान के दौरान एंटी-नारकोटिक्स जम्मू की एक टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों के संबंध में निरंतर निगरानी और विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर संदिग्धों को रोका। आरोपियों की पहचान गुरमीत सिंह पुत्र उजागर सिंह और उसकी महिला सहयोगी परविंदर कौर पत्नी इंदरजीत सिंह के रूप में हुई है, दोनों मीरान साहिब तहसील आरएस पुरा जिला जम्मू के निवासी हैं। चरस की खेप सैंट्रो कार से बरामद की गई जिसमें वे कश्मीर से जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश से बाहर जा रहे थे।

एलआईसी द्वारा अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन

जम्मू, 30 जनवरी। भारतीय जीवन बीमा निगम के कार्यकारी निदेशक श्री सलील विश्वनाथ ने 28 जनवरी को लखनउ स्थित के डी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2025 26 का उद्घाटन किया। यह टूर्नामेंट अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र नियंत्रण बोर्ड का वार्षिक आयेजन है जिसका इस वर्ष आयोजन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जा रहा है। इसमें एलआईसी सहित 13 सार्वजनिक क्षेत्र संगठनों के लगभग 120 खिलड़ी भाग ले रहे हैं।

शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी, उधमपुर में शहीद दिवस मनाया गया

ऊधमपुर, 30 जनवरी (हि.स.)। शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी (एसकेपीए) उधमपुर में आज गरीब दास आईपीएस, एडीजीपी, निदेशक, एसकेपीए उधमपुर के समग्र मार्गदर्शन में शहीद दिवस मनाया गया। एसकेपीए उधमपुर में उपस्थित सभी अधिकारी, कर्मचारी और प्रशिक्षु सुबह 10:50 बजे रोल कॉल ग्राउंड में एकत्रित हुए और भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

'जन्नत में मौत का रास्ता' बना भद्रवाह-चंबा सड़क मार्ग, सरकारी उदासीनता पर फूटा जनाक्रोश

अमीर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 30 जनवरी। जम्मू-कश्मीर की सुरम्य भद्रवाह घाटी को हिमाचल प्रदेश के चंबा से जोड़ने वाला 165 किलोमीटर लंबा अंतरराज्यीय सड़क मार्ग, जो कभी आर्थिक पुनरुत्थान और पर्यटन विकास की उम्मीद माना जाता था, आज स्थानीय लोगों के लिए मौत का जाल बनता जा रहा है। खन्नी टॉप के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 10 सैन्य कर्मियों की मौत के बाद प्रशासनिक लापरवाही को लेकर जनआक्रोश और तेज हो गया है।

स्थानीय नागरिकों और हितधारकों का कहना है कि दशकों से उपेक्षा का शिकार यह सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़क अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जम्मू-कश्मीर का स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले भद्रवाह की पर्यटन और अंतरराज्यीय व्यापार की रीढ़ यही मार्ग है, लेकिन इसकी हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है।

बताया जाता है कि इस सड़क का निर्माण 1970 के दशक में हुआ था और वर्ष 2008 में गुलाम नबी आज़ाद के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के दौरान इसे दो लेन में उन्नत किया गया। हालांकि, उसके बाद नियमित रखरखाव के अभाव ने इसे खस्ताहाल कर दिया। सितंबर 2025 में हुई मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ ने स्थिति को और भयावह बना दिया। हालांकि प्रशासन की ओर से कुछ जगहों पर मरम्मत कार्य कराया गया, लेकिन कच्छ सार्टिंगल, नल्थी से लेकर हिमाचल सीमा के पास खुंडीमिराल तक के लंबे हिस्से आज भी बेहद खतरनाक स्थिति में हैं। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता ज़फ़र हुसैन वानी ने कहा, सरकारी उदासीनता के कारण यह सड़क मौत का रास्ता बन चुकी है। इसकी सामरिक और आर्थिक अहमियत के बावजूद अब तक कोई ठोस और समग्र रखरखाव योजना नहीं बनाई गई।थनाला क्षेत्र में हाल ही में हुए हादसे ने इस मार्ग की खतरनाक हकीकत को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खन्नी टॉप के पास दुर्घटना संभावित हिस्सों में न तो पर्याप्त कलवर्ट हैं, न रिटेनिंग वॉल और न ही क्रैश बैरियर। कई तीखे मोड़ों पर नाले सीधे सड़क पर बहते हैं, जिससे खासकर सर्दियों में हालात जानलेवा हो जाते हैं। शून्य से नीचे तापमान के कारण सड़क पर बर्फ जम जाती है और यात्रियों की जान हर पल जोखिम में रहती है। सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद सलीम बट्ट ने आरोप लगाया, लोग हर वक्त जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। थनाला के पास सुरक्षा सुरंग की वर्षों पुरानी मांग को जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

महाजन ने डोगरी देशभक्ति गीत फौजी सादे शेर लार्डे का विमोचन किया

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.) डोगरी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने और देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से आज यहां फौजी सादे शेर लार्डे नामक एक डोगरी देशभक्ति गीत का विमोचन किया गया। इस गीत को शाम साजन राजपूत ने गाया है जिन्होंने एम.एम. ठाकुर के साथ मिलकर इस परियोजना का सह-निर्देशन भी किया है। गीत के बोल धनीराम ने लिखे हैं जो देशभक्ति, बलिदान और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान की सशक्त भावना को दर्शाते हैं। विमोचन कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत कला एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के सह-संयोजक साहिल महाजन की देखरेख में किया गया जिन्होंने सुचारू समन्वय और कार्यक्रम के सफल संचालन को सुनिश्चित किया।

एआईएमएसए के हस्तक्षेप के बाद जूनियर रेजिडेंट परीक्षा तिथि विवाद सुलझा, उम्मीदवारों के विरोध के बाद जीएमसी राजौरी ने परीक्षा स्थगित की

राजौरी, 30 जनवरी (हि.स.)। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) राजौरी और जीएमसी कठुआ के बीच जूनियर रेजिडेंट (जेआर) परीक्षा तिथियों के टकराव को लेकर चल रहा विवाद, मेडिकल उम्मीदवारों द्वारा लगातार उठाई गई चिंताओं और अखिल भारतीय मेडिकल छात्र संघ (एआईएमएसए) के हस्तक्षेप के बाद सुलझ गया है।

शुक्रवार को जीएमसी राजौरी द्वारा जारी एक आधिकारिक नोटिस के अनुसार 3 फरवरी को निर्धारित जूनियर रेजिडेंट परीक्षा अब 5 फरवरी, 2026 को होगी। परीक्षा दोपहर 12 बजे जीएमसी राजौरी के मेहरा परिसर में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय उम्मीदवारों द्वारा इस बात को उजागर करने के एक दिन बाद आया है कि जीएमसी राजौरी और जीएमसी कठुआ की जेआर परीक्षाएं एक ही तिथि पर निर्धारित थीं जिससे दोनों संस्थानों में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए भ्रम और कठिनाई पैदा हो रही थी।

इस मुद्दे को एआईएमएसए ने उठाया और औपचारिक रूप से अधिकारियों के संज्ञान में लाकर तत्काल सुधार की मांग की।

ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएमएसए) के उपाध्यक्ष डॉ. मुहम्मद मोमिन खान ने चिकित्सा संस्थानों के बीच समन्वय की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि परीक्षा के समय में ओवरलैप होने से योग्य उम्मीदवारों को उचित अवसर से वंचित होना पड़ सकता है। एआईएमएसए ने इस टकराव को टाला जा सकने वाला बताया था और प्रशासन से छात्रों के हित में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। संशोधित समय सारिणी के बाद उम्मीदवारों और छात्र संगठनों ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे राहत और वास्तविक शिकायतों का सकारात्मक समाधान बताया है। हालांकि उन्होंने भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोकने के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। संशोधित अधिसूचना सभी संबंधित विभागों को भेज दी गई है और उम्मीदवारों को अद्यतन परीक्षा तिथि और समय का ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

रामकोट में महिला मोर्चा पहाड़ी जिला की मासिक बैठक आयोजित, महिला सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

कठुआ/बिलावर, 30 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा पहाड़ी जिला (बनी/बसोहली/बिलावर) की एक महत्वपूर्ण मासिक बैठक मंडल रामकोट के पंचायत लाखड़ी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पहाड़ी जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष काजल राजपूत ने की।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन उपस्थित रहीं। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय होने का आह्वान किया और संगठन को मजबूत करने की दिशा में एकजुट होकर कार्य करने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

इस अवसर पर महिला मोर्चा की प्रदेश महासचिव एवं संसदीय प्रभारी गीता भगत, पहाड़ी जिला प्रभारी सुषमा शर्मा, जिला अध्यक्ष गोपाल कृष्ण, जिला महासचिव शांति भूषण तथा डीडीसी नारायण दत्त त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में पहाड़ी जिला महिला मोर्चा की पदाधिकारी महामंत्री कंचन बाला एवं उपाध्यक्ष सुनीता शर्मा सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में बिलावर क्षेत्र के पूर्व पंच/सरपंचों समेत लगभग 300 महिलाओं ने भाग लेकर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

संभागीय आयुक्त कश्मीर ने श्रीनगर में यूईईडी की विकास परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की

श्रीनगर, 30 जनवरी (हि.स.)। संभागीय आयुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग ने आज श्रीनगर में शहरी पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग (यूईईडी) द्वारा कार्यान्वित की जा रही वर्तमान और प्रस्तावित विकास परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में एलसीएमए के उपाध्यक्ष, अतिरिक्त उपायुक्त श्रीनगर, केपीडीसीएल, पीएचई और आर एंड बी के मुख्य अभियंता, यूईईडी के अधीक्षण अभियंता, एनबीसीसी श्रीनगर के महाप्रबंधक, उप निदेशक योजना और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शुरुआत में यूईईडी के अधीक्षण अभियंता ने श्रीनगर शहर पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कश्मीर संभाग में चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बैठक को संभाग में शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) की संख्या, तैयार की गई डीपीआर, निविदाएं जारी की गई परियोजनाएं, चल रही परियोजनाएं और मूल्यांकन के अधीन परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी।

एसई यूईईडी ने एसबीएम (शहरी) 2.0 के तहत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) कार्यों की स्थिति, श्रीनगर शहर की समग्र सीवरेज व्यवस्था, शहर के जल निकायों के लिए प्रदूषण नियंत्रण उपायों, यूईईडी की प्रमुख चल रही परियोजनाओं, ग्रेटर श्रीनगर के जोन-3 की सीवरेज योजना और 60 एमएलडी नूरबाग एसटीपी से संबंधित मुद्दों के बारे में बैठक को जानकारी दी।यह बताया गया कि नूरबाग एसटीपी मार्च तक पूरी तरह से चालू हो जाएगा। बैठक आयुक्त ने बैठक को संबोधित करते हुए यूईईडी को सभी चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए चरणबद्ध समय-सीमा तैयार करने का निर्देश दिया ताकि प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने 60 एमएलडी नूरबाग एसटीपी से संबंधित मुद्दों के तत्काल समाधान के लिए भी निर्देश दिए जिनमें बिजली आपूर्ति बढ़ाना, रिसावों को रोकना, सभी 20,000 घरों को कनेक्शन देना, आलमगिरिबाजार में लाइन कनेक्शन पूरा करना और उचित सड़क संपर्क सुनिश्चित करना शामिल है।

कार व मोटरसाइकिल की भिड़ंत में एक की मौत

कटड़ा, 30 जनवरी (हि.स.)। कटड़ा के नोमाई क्षेत्र में एक कार व मोटरसाइकिल में भिड़ंत हुई जिसमें मोटरसाइकिल चालक के गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल व्यक्ति को तुरंत कटड़ा अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मोटरसाइकिल चालक की पहचान ऋषि कुमार पुत्र ज्ञानचंद निवासी कपूरथला पंजाब के रूप में हुई है। वहीं पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जीप नंबर जेके 02 डीजी 3233 जम्मू से कटड़ा की ओर आ रही थी कि नोमाई क्षेत्र में सामने से आ रहे मोटरसाइकिल नंबर जेके 21-4056 से संदिग्ध परिस्थितियों में जा टकराई। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल कटड़ा ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया।

Government of Jammu & Kashmir
Office of the Executive EngineerMachinery Division Jammu

NOTICE INVITING TENDERS

E-NITNO:-MDJ/Tech/e-NIT/2025-26/96 DATED:-28/01/2026 DUE ON: 07/02/2026MDJ/Tech/e-NIT/2025-26/97DATED:-28/01/2026 DUE ON: 07/02/2026 MDJ/Tech/e-NIT/2025-26/98DATED:-28/01/2026 DUE ON: 07/02/2026

Onbehalf of the Lieutenant Governor, Government of Jammu &Kashmir Bids are invited by Executive Engineer Machinery Division Jammu by e- Tendering mode from reputed firms for undertaking the work as per SBD/BOQ.

S.No.	e-NIT No.	Description of work	Cost of tender (Rs.)	Time of Completion	Tender opening authority
1.	MDJ/Tech/e-NIT/2025-26/96	Supply, Installation, Testing and Commissioning *of 01 no. 15 kva dieselgenerator for Lift installed at VIP 4 at Ved Mandir enclave, Jammu*	500.00	*10 days*	Executive Engineer Machinery Division Jammu
2	MDJ/Tech/e-NIT/2025-26/97	SITC of 01 No. 15 KVA Diesel Generator at 28 Nos. Govt. Estates Flats G PLUS 6 single Block at Ahata Amar Singh,Panjthirithi,Jammu	500.00	*10 days*	Executive Engineer Machinery Division Jammu
3.	MDJ/Tech/e-NIT/2025-26/98	SITC of 01 No. 15 KVA Diesel Generator at 28 Nos. Govt. Estates Flats G plus 6)single Block at Sarwal, Jammu.	500.00	*10 days*	Executive Engineer Machinery Division Jammu

The e-NIT consisting of qualifying information,eligibility criteria, specifications, terms&conditions, bill of quantities can be seen / downloaded from J&K Govt. web-site www.jktenders.gov.in.
Allother information regarding the e-NIT can be had from the office of the under-signed on any working day during the working hours before due date.

DIP/J-10833/25
Dtd:30-1-2026

-Sd-
Executive Engineer
Machinery Division
Jammu

संपादकीय

धारणा बदलने की आवश्यकता

इस बात की सख़्त ज़रूरत है कि लोग—विशेषकर वे जो अक्सर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हैं—जनता को राजकोष (एक्सचेकर) के माध्यम से प्रदान की जा रही सेवाओं के संदर्भ में अपना दृष्टिकोण बदलें।

इसी संदर्भ में एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें खुलासा हुआ है कि जम्मू-कश्मीर में महिलाओं के लिए सरकार की नि:शुल्क परिवहन सेवा के तहत जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड को इस छूट की घोषणा के बाद से लगभग 14 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। बताया जाता है कि JSCL जम्मू में स्मार्ट बस सेवा का संचालन करती है और यह सरकार के अधीन कार्यरत है, जिसके तहत योजना के अंतर्गत महिला यात्रियों को नि:शुल्क यात्रा की सुविधा देना अनिवार्य है। यह जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत दायर एक आवेदन के उत्तर में दी गई है। JSCL के अंतर्गत संचालित स्मार्ट बस सेवा महिलाओं को नि:शुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान करती है—यह कदम जम्मू-कश्मीर में एनसी-नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अप्रैल पिछले वर्ष अपनी प्रतिबद्धताओं में से एक के रूप में घोषित किया गया था। हालांकि यह नि:शुल्क सेवा कश्मीर में भी संचालित है, लेकिन वहां हुए अनुमानित खर्च का आकलन अभी किया जाना बाकी है। जम्मू में तथाकथित नुकसान की गणना 31 दिसंबर 2025 तक की गई है। अब बड़ा सवाल यह है कि राजकोष से होने वाले इस व्यय को जनकल्याण के लिए किया गया सरकारी खर्च क्यों नहीं माना जा रहा, और इसे नुकसान के रूप में क्यों प्रस्तुत किया जा रहा है? इस मामले में स्पष्ट रूप से एक गलतफहमी दिखाई देती है, क्योंकि जनता को सेवाएं उपलब्ध कराने पर सरकार द्वारा किया गया खर्च नुकसान नहीं कहा जा सकता। इस विशेष मामले में अंतर केवल इतना है कि यह लाभ समाज की महिला वर्ग तक सीमित है। यदि जनकल्याणकारी पहलों पर होने वाले खर्च को सरकार का नुकसान माना जाएगा, तो फिर सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य क्षेत्र, शिक्षा, सड़कों और नालियों आदि पर खर्च किए गए हर पैसे को भी नुकसान ही कहा जाना चाहिए, क्योंकि वह धन भी सार्वजनिक राजकोष का ही हिस्सा है। यदि इस प्रकार का खर्च उचित है, तो फिर जम्मू-कश्मीर की महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा देने को उसी दृष्टिकोण से क्यों नहीं देखा जा रहा? यदि सरकार बस स्टॉप पर शेड बनाने में पैसा खर्च करती है और उसे नुकसान नहीं माना जाता, तो फिर सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं को दी जा रही उपरोक्त सुविधा को नुकसान कैसे कहा जा सकता है? ऐसा प्रतीत होता है कि इस मुद्दे को बार-बार उछालने के पीछे कुछ राजनीतिक उद्देश्य हो सकते हैं, जिनकी जांच किए जाने की आवश्यकता है। जहां तक महिलाओं के लिए विशेष रूप से चलाई जा रही इस सेवा पर होने वाले खर्च का सवाल है, इसे एक कल्याणकारी राज्य द्वारा उठाया गया एक और सकारात्मक कदम माना जाना चाहिए। पूरे परिदृश्य को बदली हुई धारणा के साथ देखा जाना चाहिए, यह समझते हुए कि सत्ता में बैठे लोगों ने इस पहल को सद्भावना के रूप में लिया है, न कि राजकोष की लूट के रूप में। केंद्र और विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा 5 किलो मुफ्त राशन जैसी अनेक अन्य योजनाएं और सुविधाएं भी दी जा रही हैं, लेकिन कुछ तत्व विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर की इसी योजना के पीछे पड़े हुए हैं, जो कि विचारणीय और हैरान करने वाला है।

सिर्फ समझौता नहीं,हमारे भविष्य का रोडमैप है भारत-यूरोपीय संघ एफटीए

- पीयूष गोयल

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक कूटनीति में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इससे लाखों रोजगार पैदा होंगे तथा भारतीय युवाओं और किसानों के लिए व्यापक अवसरों का सृजन होगा। इसके साथ ही लगभग 2 अरब की उस आबादी के लिए धन पैदा होगा जो मिल कर वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक-चौथाई भाग है।

विश्व की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच यह एफटीए इतिहास के सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक है। वास्तव में यह व्यापार समझौते से ज्यादा व्यापक है। यह कृत्रिम मेधा (एआई), रक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने वाली विस्तृत साझीदारी है। इस एफटीए से भारत के हर क्षेत्र और नागरिक तथा खास तौर से निर्धन तबकों को लाभ पहुंचेगा।

यह एफटीए नियम आधारित व्यापार और आर्थिक नीतियों में स्थिरता सुनिश्चित करता है जिससे भारत स्वदेशी और विदेशी निवेश के लिए और ज्यादा आकर्षक बनेगा। यह छोटे व्यवसायियों, स्टार्टअप संस्थाओं और कामगारों के लिए अनेक अवसर पैदा करेगा।

विश्व ने प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा की सराहना करते हुए इस एफटीए को सभी समझौतों से बड़ा बताया है। यह वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में स्थिरता को मजबूत करता है। यह भारत और यूरोपीय संघ को मुक्त बाजार, पूर्वानुमान क्षमता और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध भरोसेमंद साझीदारों के रूप में स्थापित करता है।

भारत ने व्यापार मूल्य के हिसाब से यूरोपीय संघ में अपने 99 प्रतिशत से ज्यादा निर्यात के लिए अभूतपूर्व बाजार पहुंच प्राप्त की है जिससे 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को बल मिलेगा। इस एफटीए से कपड़ा, रेडीमेड वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण,हस्तशिल्प, इंजीनियरी सामान और ऑटोमोबाइल जैसे श्रमसाध्य क्षेत्रों को निर्णायक मजबूती मिलेगी।

इस समझौते से लगभग 33 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर 10 प्रतिशत तक टैरिफ खत्म होगा। इससे कामगारों, हस्तशिल्पियों, महिलाओं, युवाओं तथा सूक्ष्म, छोटे और मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) का सशक्तीकरण होगा। वैश्विक मूल्य श्रृंखला से भारतीय व्यवसाय ज्यादा गहराई से जुड़ेंगे और वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका मजबूत होगी।

यह समझौता व्यवसायियों और पेशेवर तबके के लिए दूसरे देशों में जाने को आसान बनाते हुए शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और कंप्यूटर जैसे सेवा क्षेत्रों में अवसरों के नए द्वार खोलता है। इन प्रतिबद्धताओं से उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसरों के खुलने के साथ ही प्रतिभा, नवोन्मेष और संवहनीय आर्थिक विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होती है।

व्यापार समझौते गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने की मोदी सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं।

इस रणनीति में क्रांतिकारी सुधारों और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा सभी पक्षों के लिए लाभकारी समझौते के उद्देश्य से विकसित और पूरक अर्थव्यवस्थाओं के साथ बातचीत शामिल है। यह रणनीति भारत को अपनी ताकत का सही इस्तेमाल करने और उन लाभकारी बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाती है जो कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की रक्षा करते हुए श्रमसाध्य क्षेत्रों में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते भारतीय उद्योगों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करते हैं और उपभोक्ताओं को विश्व स्तरीय उत्पाद उपलब्ध कराते हैं। यूपीए सरकार ने बिना सोचे-समझे भारत के बाज़ार खोल दिए थे, इसके उलट मोदी सरकार ने ऐसे समझौते किए हैं जिनमें टैरिफ में कमी धीरे-धीरे की जाती है। जिससे उद्योगों को उचित नीतिगत समर्थन के साथ अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है।

प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का केंद्र है। पिछले सप्ताह इसी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहाथा- 卐आइए, इस साल हम अपने पूरे सामर्थ्य के साथ गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। हमारा एकमात्र मंत्र गुणवत्ता, गुणवत्ता और केवल गुणवत्ता होना चाहिए। कल की तुलना में आज और बेहतर गुणवत्ता। हम जो कुछ भी बनाते हैं, उसकी गुणवत्ता में सुधार करने का संकल्प लें।卐

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के पूरी तरह अनुरूप है। यह भारत को वैश्विक मंच पर एक गतिशील, विश्वसनीय और दूरदर्शी भागीदार के रूप में स्थापित करता है, जो दोनों क्षेत्रों के लिए समावेशी, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार विकास की नींव रखता है। मोदी सरकार ने सिर्फ़ विकसित देशों के साथ ही व्यापार समझौते किए हैं,जो कपड़ा, जूते, रत्न और आभूषण, और हस्तशिल्प जैसे भारत के प्रमुख रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्रों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। यह यूपीए शासन से बिल्कुल उल्टा है उन्होंने प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के साथ समझौतों में जल्दबाजी की और अक्सर भारत को मिलने वाले लाभ की तुलना में कहीं अधिक रियायतें दीं।

इसके अलावा, इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि यूपीए सरकार ने व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करने से पहले हितधारकों के साथ कोई सार्थक बातचीत की थी। इसके विपरीत, मोदी सरकार ने अर्थशास्त्रियों, औद्योगिक निकायों, विशेषज्ञों और कई सरकारी विभागों एवं मंत्रालयों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद ही मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। परिणामस्वरूप, मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक व्यापार समझौते को उद्योगों से व्यापक सराहना मिली है। मोदी सरकार द्वारा संपन्न प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते ने दोनों पक्षों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं और भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार किया है। इन समझौतों ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनने की दिशा में उसकी यात्रा को तेज़ किया है।

व्यापार समझौते गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने की मोदी सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। इस रणनीति में क्रांतिकारी सुधारों और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तथा सभी पक्षों के लिए लाभकारी समझौते के उद्देश्य से विकसित और पूरक अर्थव्यवस्थाओं के साथ बातचीत शामिल है।

यूपीए के कार्यकाल के दौरान, यूरोपीय संघ सहित विकसित देशों की भारत में रुचि कम हो गई थी, क्योंकि आर्थिक विकास धीमा हो गया था, मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर बनी हुई थी और व्यापार का माहौल निराशाजनक था। तब भारत ने ऐसे लाभप्रद व्यापार समझौतों के मूल्यवान अवसर गंवा दिए, जो विकास को गति दे सकते थे और रोजगार पैदा कर सकते थे।

मोदी सरकार द्वारा संपन्न अन्य व्यापार समझौतों के साथ, भारत-ईयू एफटीए, द्वुलमुल और निर्णायक नेतृत्व के बीच के अंतर को रेखांकित करता है। जहाँ पहले की सरकारें हिचकिचाती थीं और घुटने टेकती थीं वहीं मोदी सरकार ने बदलाव लाने वाला एक ऐसा समझौता किया है जो बाजारों का विस्तार करने के साथ साथ रोजगार पैदा करता है और भारत के मुख्य हितों की रक्षा करता है। यह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे मजबूत नेतृत्व और रणनीतिक स्पष्टता नए अवसरों के दरवाजे खोल सकती है, जो देश को समृद्धि के रास्ते पर ले जा सकते हैं।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

संस्कारित परिवार- जागरूक नागरिक, समरस समाज और संवेदनशील राष्ट्र निर्माण की मूल धुरी

-कैलाश चन्द्र

भारतीय समाज की रचना में परिवार केवल रक्त-संबंधों का केंद्र नहीं बल्कि एक जीवंत संस्कृति, अनुशासन और भविष्य का निर्माण करने वाली संस्था है। जब दुनिया व्यक्तिगतता, उपभोक्तावाद और क्षणिक सुख की संस्कृति में उलझकर अपने मूल्यों से दूर जा रही है, तब हमारे लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि राष्ट्र-निर्माण किसी एक नीति, किसी एक नेतृत्व या किसी एक विचारधारा से नहीं चलता; उसका वास्तविक केंद्र परिवार होता है। परिवार ही वह स्थान है जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ अपना पहला श्वांस, पहला संस्कार, पहली दृष्टि और पहला जीवन-शिक्षण प्राप्त करती हैं। अत: परिवार में संस्कारों की स्थापना केवल निजी जीवन का विषय नहीं बल्कि व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रश्न है।

बच्चा अपने जन्म से किशोरावस्था तक घर के वातावरण से जो कुछ ग्रहण करता है, वह आगे चलकर उसके व्यक्तित्व, उसके निर्णयों और उसके सार्वजनिक आचरण का आधार बन जाता है। यदि परिवार का वातावरण अनुशासन, सत्य, परिश्रम, करुणा और कर्तव्य-बोध से भरा है, तो उस घर से एक ऐसा नागरिक निकलता है जिसकी दृष्टि केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं रहती बल्कि वह समाज, प्रकृति और राष्ट्र को अपने अस्तित्व का विस्तार मानता है। भारतीय संस्कृति में 'संस्कार' कोई बाह्य प्रदर्शन नहीं बल्कि आत्मा को गढ़ने वाली आग है, जो धातु को स्वर्ण में बदलने का सामर्थ्य रखती है। संस्कारित बच्चा गृहस्थी से लेकर समाज तक हर स्थान पर संतुलन, मर्यादा और उत्तरदायित्व की भावना लेकर चलता है। यही कारण है कि परिवार में संस्कारों का स्थान राष्ट्र-निर्माण की प्रथम आधारशिला माना गया है।

परिवार की इस संस्कारात्मक शक्ति का अगला विस्तार कुटुम्ब और मोहल्ले तक पहुँचता है। जब परिवार के भीतर सद्भाव, सम्मान, संवाद और परस्परता का वातावरण होता है तो वह ऊर्जा केवल घर की चहारदीवारी में नहीं रुकती, बल्कि बाहर मोहल्ले तक फैलती है। एक संस्कारित परिवार मोहल्ले में तनाव, हिंसा, विवाद या अव्यवस्था का कारण नहीं बनता बल्कि वह वातावरण को सुसज्जित और शांत रखने में सहायक होता है। ऐसे परिवार सामाजिक विश्वास को बढ़ाते हैं और एक प्रकार की अदृश्य सामाजिक पूँजी का निर्माण करते हैं, जिससे पूरा नगर और समाज अधिक स्थिर, सुरक्षित और सामंजस्यपूर्ण बनता है। समाज का स्वास्थ्य किसी सरकार या संस्था द्वारा निर्मित नहीं होता; वह घरों के वातावरण से पैदा होता है। यदि घर स्वस्थ हैं तो मोहल्ले सुरक्षित होते हैं और यदि मोहल्ले सुरक्षित हैं तो पूरा समाज नैतिक रूप से मजबूत होता है।

संस्कारों का यह प्रभाव केवल मानव-व्यवहार तक सीमित नहीं रहता; वह प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता तक भी विस्तारित होता है। आज दुनिया पर्यावरणीय संकटों का सामना कर रही है, जल-स्रोत सूख रहे हैं, उर्जा का अत्यधिक अपव्यय हो रहा है, वृक्ष कट रहे हैं और जीव-जगत असुरक्षा में जी रहा है। इन सबका समाधान केवल कानूनों या अभियानों से नहीं होगा। समाधान तब आएगा जब परिवार अपने बच्चों को संसाधनों का महत्त्व, प्रकृति के प्रति आदर और मितव्ययता की संस्कृति सिखाएँगे। जब बच्चा घर में यह देखता है कि पानी का अनावश्यक बहाव रोका जाता है, बिजली व्यर्थ नहीं जलाई जाती, पौधों को अपना परिवार माना जाता है, पशु-पक्षियों को दया और सह-अस्तित्व की भावना से देखा जाता है, तब उसके भीतर पर्यावरण संरक्षण कोई बाहरी आदेश नहीं बल्कि आंतरिक संस्कार बन जाता है। भारतीय परंपरा में प्रकृति पूजनीय है और यह पूज्यता परिवार की संस्कृति से ही जीवन का अंग बनती है। अत: पर्यावरण का संरक्षण तभी संभव है जब परिवार अपनी जीवन-शैली में संवेदनशीलता का बीज बोए।

परिवार का दायित्व केवल नैतिकता या व्यवहार तक सीमित नहीं है; वह सांस्कृतिक स्वत्व को बनाए रखने का केंद्र भी है। भजन, भोजन, भ्रमण और भेष जैसे विषय केवल क्रिया नहीं बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास के वाहक हैं। यदि परिवार अपने घर में अपनी परंपराओं के भजन, मंत्र, कथा और लोकध्वनियों को स्थान देता है तो बच्चों में आध्यात्मिकता कृत्रिम नहीं, सहज बनती है। भोजन में स्थानीयता और स्वदेशीता अपनाने से बच्चे यह सीखते हैं कि जीवन का पोषण धरती के अपने अनाज और अपनी परंपरा से होता है। भ्रमण यदि विदेशी चमक के पीछे न भागकर अपने देश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भूगोलिक धरोहरों को देखने पर आधारित हो, तो बच्चों में इतिहास-बोध और राष्ट्र-गौरव जन्म लेता है। भेष में भारतीयता का सम्मान केवल कपड़ा नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक पहचान की सौम्यता है। जब परिवार 卐स्व卐 का भाव अपनाता है, तब उसकी संतति सांस्कृतिक रूप से मजबूत, आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से स्थिर बनती है।

इन सबके साथ ही समरसता का महत्व सर्वोच्च है। समरस परिवार वह है जिसमें सभी सदस्य एक-दूसरे को सम्मान देते हैं, किसी को कमतर या अधिकतर नहीं मानते और सबके स्वभाव और कर्तव्य को समझते हैं। समरसता का यह भाव घर से निकल कर समाज में समान रूप से फैलता है। आज दुनिया विभाजनों, उपहास, तनाव और घृणा की राजनीति से जूझ रही है। यदि परिवार के भीतर समरसता होगी तो समाज विभाजन से मुक्त होगा। समरस परिवारों से ही समरस समाज जन्म लेता है और ऐसा समाज ही एक समरस राष्ट्र का आधार बन सकता है। जाति, भाषा, वर्ग और क्षेत्र के कृत्रिम भेद तभी समाप्त होंगे जब परिवारों में एकात्मता की भावना विकसित होगी। समरस परिवार समाज के लिए जीवंत उदाहरण बनता है कि विविधता संघर्ष का नहीं बल्कि सहयोग और पूरकता का आधार है।

अंतत: राष्ट्र-निर्माण किसी भारी-भरकम नारे या महंगी योजना से नहीं बल्कि एक छोटे-से परिवार की संस्कृति, अनुशासन और दैनंदिन आचरण से शुरू होता है। संस्कारित परिवार ही जागरूक नागरिक तैयार करता है। यही परिवार सुरक्षित मोहल्ला बनाते हैं। यही संवेदनशील पीढ़ी को प्रकृति-संरक्षण का वास्तविक अर्थ सिखाते हैं। यही 'स्व' के भाव को पोषित करते हैं और यही समरसता को पल्लवित करते हैं। इसलिए भारत के उज्ज्वल भविष्य का वास्तविक प्रकाश-स्तंभ कोई बाहरी शक्ति नहीं बल्कि अंदर बैठे छोटे-छोटे परिवार हैं, जिनमें संस्कार, प्रेम, मर्यादा, स्वाबलंबन और एकात्मता की दीप्ति जल रही है। इन्हीं परिवारों से वह पीढ़ी जन्म लेगी जो केवल विकसित भारत नहीं बल्कि विचारवान, समरस, संवेदनशील और आत्मगौरवयुक्त भारत का निर्माण करेगी।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

रुपये की गिरावट को इतना हल्के में मत लीजिए

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हाल में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को सरकार एक ऐतिहासिक आर्थिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। यह समझौता नि:स्संदेह भारत के निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा करता है और दीर्घकाल में व्यापारिक संबंधों को मजबूती देने की क्षमता रखता है, किंतु इसी उत्सवधर्मी माहौल के बीच एक गंभीर आर्थिक संकेत डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये का निरंतर कमजोर होने को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।

देखा जाए तो वर्ष 2013 में जहां एक डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग 68 के स्तर पर था, वहीं जनवरी 2026 तक यह 92 (91.95 रुपये प्रति डॉलर) के करीब पहुंच चुका है। लगभग 35 प्रतिशत का यह अवमूल्यन विदेशी मुद्रा बाजार का आंकड़ा आज भारत की एक हकीकत है, जो साफ तौर पर कहता है कि ये स्थिति हमारी अर्थव्यवस्था की गहरी और संरचनात्मक कमजोरियों का दर्पण है। अब इस सच्चाई को न तो वैश्विक परिस्थितियों के बहाने ढंका जा सकता है और न ही मजबूत बुनियादी कारकों के दावों से खारिज किया जा सकता है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के बाद मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने रुपये की गिरावट को उभरते बाजारों की मुद्राओं की सामूहिक कमजोरी का हिस्सा बताया। बेशक; इसमें आंशिक सच्चाई है, वैश्विक स्तर पर डॉलर इंडेक्स 110 के आसपास बना हुआ है और अमेरिका की सख्त मौद्रिक नीति ने डॉलर को मजबूत किया है। किंतु सवाल यह है कि जब वैश्विक दबाव लगभग सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर समान है तब भारत का रुपया अपेक्षाकृत अधिक दबाव में क्यों है यहीं से घरेलू आर्थिक चूकों की ओर ध्यान जाता है और इनकी जांच अनिवार्य हो जाती है।

विदेशी मुद्रा भंडार- ताकत भी, चेतावनी भी

पिछले डेढ़ वर्षों में भारत की विदेशी मुद्रा स्थिति कमजोर हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले आठ महीनों में विदेशी मुद्रा भंडार करीब 40 अरब डॉलर घटकर लगभग 650 अरब डॉलर रह गया। इसी दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी तेज रही। अकेले जनवरी 2026 में लगभग 5 अरब डॉलर का पूंजी बहिर्गमन दर्ज किया गया, जिसका सीधा असर रुपये पर पड़ा। हालांकि यह भी सच है कि 16 जनवरी तक विदेशी मुद्रा भंडार 701.4 अरब डॉलर के स्तर को छू गया था, जिससे भारत लगभग 11 महीनों के आयात को कवर कर सकता है।

यह भंडार देश के कुल बकाया विदेशी कर्ज के करीब 94 प्रतिशत के बराबर है और वैश्विक झटकों से निपटने के लिए एक मजबूत लिक्विडिटी बफर प्रदान करता है। पर साथ में यही भंडार भारत की आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था की कमजोर नस को भी उजागर करता है। क्योंकि ये विदेशी मुद्रा जिस तेजी से आती हुई दिखती है, उतनी ही तेजी से अचानक निकासी करती हुई भी दिखी है। यानी कि इस पर भारत की अर्थव्यवस्था को अधिक भरोसा नहीं करना चाहिए।

ऐसे ही यह भी एक तथ्य है कि वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 800 टन सोने का आयात किया, जिस पर 60 अरब डॉलर से अधिक खर्च हुआ। कोयला, कच्चा तेल और उर्वरकों का आयात बिल भी लगातार बढ़ता गया। परिणामस्वरूप चालू खाते का घाटा (सीएडी) जीडीपी के 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जिसे किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए खतरे का संकेत माना जाता है।

निर्यात की मजबूती पर अधूरा संतुलन

सरकार निर्यात वृद्धि को रुपये की मजबूती का आधार बताती रही है। इसमें संदेह नहीं कि सेवा क्षेत्र का निर्यात प्रभावशाली रहा है। 2005 से 2024 के बीच भारत का सेवा निर्यात ढाई गुना बढ़ा और वैश्विक सेवाओं के निर्यात में उसकी हिस्सेदारी 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गई। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल निर्यात 825.3 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा, जिसमें सेवाओं का योगदान 387.6 अरब डॉलर था।

दूरसंचार उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों और ऑटोमोबाइल्स के निर्यात में भी वृद्धि हुई है। लेकिन इसके बावजूद वस्तु व्यापार में भारत भारी घाटे में बना हुआ है। मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट आज भी लगभग 200 अरब डॉलर के आसपास है। यही असंतुलन रुपये पर लगातार दबाव बनाए रखता है और सेवा निर्यात की सफलता इस सच्चाई को छिपा नहीं पाती।भारत-यूरोपीय संघ एफटीए में अवसर और सीमाएं अब बात भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए की गहराई से करते हैं, जिसके तहत 97 प्रतिशत भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजार में प्राथमिकता मिलेगी और 70 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शून्य सीमा शुल्क लागू होगा। कपड़ा, चमड़ा, मसाले, गहने, समुद्री उत्पाद और श्रम-साध्य उद्योगों के लिए इसे एक बड़ा अवसर माना जा रहा है। सैद्धांतिक रूप से यह समझौता रुपये को मजबूती दे सकता है, किंतु वर्तमान हकीकत यह है कि यूरोपीय संघ के बाजार में भारतीय उत्पादों की हिस्सेदारी आज भी लगभग दो प्रतिशत के आसपास अटकी हुई है। इसका मुख्य कारण भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की सीमित क्षमता और गुणवत्ता मानकों में कमजोरी है। जब तक यह समझौता पूरी तरह जमीनी स्तर पर प्रभावी होगा, तब तक रुपये के सामने नए संकट खड़े हो सकते हैं।

यह भी समझने की जरूरत है कि आज भारत में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान जीडीपी में लगभग 17 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह 28 प्रतिशत और वियतनाम में लगभग 25 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि बिना मजबूत विनिर्माण आधार के एफटीए जैसे समझौते भी रुपये को स्थायी मजबूती नहीं दे सकते। हालांकि भारत ने डॉलर पर निर्भरता कम करने और स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाने के प्रयास किए हैं। रूस के साथ रुपये-रूबल में तेल व्यापार इसका उदाहरण है, लेकिन यह प्रयोग 10 अरब डॉलर के स्तर से आगे नहीं बढ़ सका। समस्या यह रही कि रूस के पास जमा हुए रुपयों के उपयोग का व्यावहारिक रास्ता नहीं निकल पाया।

आज भी भारत का लगभग 80 प्रतिशत विदेशी व्यापार डॉलर आधारित है और पेट्रोलियम व्यापार का 90 प्रतिशत हिस्सा डॉलर में होता है। SWIFT प्रणाली और अमेरिकी बॉन्ड बाजार डॉलर की बादशाहत को और मजबूत करते हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि डॉलर को चुनौती देना कितना कठिन है, बल्कि यह है कि जब ब्राजील या इंडोनेशिया अपनी मुद्रा को अपेक्षाकृत स्थिर रख सकते हैं तो भारत क्यों नहीं कहना होगा कि इसका उत्तर उत्पादकता, निर्यात संरचना और आयात निर्भरता में छिपा है।

आम आदमी पर पड़ता सीधा असर

रुपये की कमजोरी का सीधा असर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ता है। आयात महंगा होने से पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल और उर्वरकों की कीमतें बढ़ती हैं। कई राज्यों में पेट्रोल की कीमतें 110 रुपये प्रति लीटर के पार जा चुकी हैं। उर्वरक सब्सिडी का बोझ बढ़ता है और अंतत: इसका भार करदाताओं पर पड़ता है। साथ ही छोटे और मंझोले उद्योगों के लिए डॉलर में लिया गया कर्ज महंगा हो जाता है। ऐसे में यहां समझने वाली बात यह है कि किसी भी मुद्रा की मजबूती चालू खाते के संतुलन, उच्च उत्पादकता, विविधीकृत निर्यात और नियंत्रित आयात निर्भरता पर निर्भर करती है। भारत इन सभी मोर्चों पर अब भी अधूरा दिखता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के कहे अनुसार रुपये की कमजोरी को सिर्फ वैश्विक परिस्थितियों का परिणाम मान लेना आत्मसंतोष होगा।

मैन्युफैक्चरिंग को जीडीपी के 25 प्रतिशत तक ले जाना, पीएलआई योजनाओं को वास्तविक उत्पादन में बदलना, गैर-डॉलर व्यापार को बढ़ावा देना, सोने और ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाना सही मायनों में ये सभी कदम भारत के लिए अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता हैं। अंत: हमें बिना किसी संकोच के यह स्वीकार करना चाहिए कि रुपया भारतवासियों के लिए सिर्फ एक मुद्रा नहीं है, यह भारत के आर्थिक आत्मविश्वास की कसौटी है।

कहना होगा कि यदि नीतिगत फोकस नहीं बदला, तो 95 रुपये प्रति डॉलर की आशंका भविष्य की वास्तविकता बन सकती है और तब यह कहना कठिन होगा कि यह गिरावट अचानक हुई क्योंकि इसके संकेत आज साफ दिखाई दे रहे हैं इसलिए इसे हम हल्के में न लें और न ही इन परिस्थितियों को वी. अनंत नागेश्वरन के कहे से वैश्विक मानें। वास्तव में हम अपनी कमजोरी स्वीकारें और उन्हें दूर करने के लिए सही दिशा में प्रयास करें, यही सही उत्तर है आज की इस समस्या का न कि इससे भागना कोई स्थायी हल है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः स्थानीय वाइल्डकार्ड कुबलर-पोलमैन्स पुरुष युगल फाइनल में पहुंचे

एजेंसी

मेलबर्न। स्थानीय वाइल्डकार्ड जोड़ी जेसन कुबलर और मार्क पोलमैन्स ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने ग्रेट ब्रिटेन के ल्यूक जॉनसन और पोलैंड के यान ज़ीलिन्स्की को 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। कुबलर अब अपने दूसरे ऑस्ट्रेलियन ओपन डबल्स खिताब की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में रिंकी हिजिकाता के साथ, वह भी वाइल्डकार्ड के रूप में, खिताब जीता था। वहीं, पोलमैन्स 2017 में एंड्रयू व्हिटिंगटन के साथ मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल खेल चुके हैं और अब अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में उतरेंगे। गुरुवार के मुकाबले में पोलमैन्स कोर्ट पर सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी नजर आए। बाएं घुटने पर पट्टी बंधे होने के बावजूद, जिस पर कई बार सर्जरी हो चुकी है, कुबलर ने किसी भी तरह की परेशानी के संकेत नहीं दिए। उन्होंने जोरदार स्मैश लगाकर मैच का पहला ब्रेक हासिल किया। इसके बाद दो गेम बाद लगातार रिटर्न विनर्स लगाते हुए एक और ब्रेक लिया और 5-1 की बढ़त बनाई। पोलमैन्स ने बिना कोई अंक गंवाए सर्विस होल्ड करते हुए पहला सेट अपने नाम किया।

एफआईएच प्रो लीग से पहले हॉकी इंडिया ने की 33 सदस्यीय कोर संभावित खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के कोचिंग कैंप के लिए 33 सदस्यीय कोर संभावित खिलाड़ियों के समूह की घोषणा की। यह कैंप 1 से 7 फरवरी तक ओडिशा के राउरकेला में आयोजित किया जाएगा और आगामी एफआईएच पुरुष प्रो लीग की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा। प्रो लीग का यह चरण 10 से 15 फरवरी तक राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत के लिए यह घरेलू चरण वर्ष 2026 के पहले अभियान की शुरुआत करेगा। यह चयन हाल ही में संपन्न हीरो हॉकी इंडिया लीग के बाद किया गया है, जहां सीनियर खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी अनुभव मिला, वहीं युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के दिग्गजों के साथ खेलने का अवसर प्राप्त हुआ। घोषित संभावित समूह में चार गोलकीपर शामिल किए गए हैं, जिसमें पवन, सूरज करकरा, मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार और प्रिंसदीप सिंह हैं।रक्षापंक्ति में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदुरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप जेस और अमनदीप लाकड़ा को जगह दी गई है।

एएफकॉन फाइनल विवाद में सीएएफ ने सेनेगल और मोरक्को पर लगाए कड़े प्रतिबंध

काहिरा। कन्फेडरेशन ऑफ अफ्रीकन फुटबॉल (सीएएफ) की अनुशासन समिति ने एएफकॉन मोरक्को 2025 के फाइनल मुकाबले के दौरान हुई घटनाओं को लेकर सेनेगल फुटबॉल फेडरेशन (एफएसएफ), रॉयल मोरक्कन फुटबॉल फेडरेशन (एफआरएमएफ) सहित कई खिलाड़ियों और अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की है। ये घटनाएं सीएएफ डिसिप्लिनरी कोड का उल्लंघन मानी गई हैं। फाइनल मुकाबले के स्टॉपेज टाइम में विवाद उस समय गहराया, जब वीएआर समीक्षा के बाद मोरक्को को पेनल्टी दी गई, जबकि उससे कुछ ही क्षण पहले सेनेगल का एक गोल रद्द कर दिया गया था। इस फैसले से नाराज सेनेगल के मुख्य कोच पापे थियाव खिलाड़ियों को मैदान से बाहर ले गए, जिससे रबात में मैच करीब 16 मिनट तक रुका रहा और स्टेडियम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। करीब 16 मिनट के विलंब के बाद सेनेगल के खिलाड़ियों के लौटने पर मैच दोबारा शुरू हुआ। हालांकि, मोरक्को के ब्राहिम डियाज़ पेनल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहे। मुकाबला अतिरिक्त समय तक गया, जहां पापे गेये के शानदार गोल की बदौलत सेनेगल ने खिताब अपने नाम किया।

रणजी ट्रॉफी मुकाबलों से पहले आईएस बिंद्रा व अजित पवार को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी के सातवें दौर के मुकाबलों से पहले चंडीगढ़ और मुंबई में खिलाड़ियों व अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखकर पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष आईएस बिंद्रा और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष और पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के पूर्व अध्यक्ष इंदरजीत सिंह बिंद्रा का रविवार को नई दिल्ली में 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। मोहाली स्थित आईएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब और कर्नाटक के बीच खेले गए एलीट ग्रुप-बी मुकाबले से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखा। बीसीसीआई ने अपने घरेलू क्रिकेट से जुड़े 'एक्स' अकाउंट पर कहा, 'रणजी ट्रॉफी में पंजाब और कर्नाटक के बीच मुकाबले से पहले पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष श्री इंदरजीत सिंह बिंद्रा के निधन पर एक मिनट का मौन रखा गया। ' उधर, मुंबई के बीकेसी ग्राउंड पर मुंबई और दिल्ली के बीच एलीट ग्रुप-डी मुकाबले से पहले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को श्रद्धांजलि दी गई। खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखा और दोनों टीमों के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे।

स्क्वैश ऑन फायर ओपन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे सेंथिलकुमार और चोटरानी

एजेंसी

वॉशिंगटन। भारत के मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार और वीर चोटरानी ने वॉशिंगटन में खेले जा रहे स्क्वैश ऑन फायर ओपन टूर्नामेंट में कड़े मुकाबलों में पहले दौर की जीत दर्ज करते हुए अगले चरण में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट पीएसए ब्रॉन्ज स्तर का आयोजन है। विश्व रैंकिंग में 46वें स्थान पर काबिज सेंथिलकुमार ने इंग्लैंड के टॉम वॉल्श के खिलाफ दमदार वापसी करते हुए 12-14, 11-8, 11-8, 11-6 से जीत हासिल की। अब अगले दौर में उनका सामना मैक्सिको के विश्व नंबर 11 और दूसरे वरीय खिलाड़ी लियोनेल कार्डेनास से होगा। विश्व नंबर 49 वीर चोटरानी ने हंगरी के बालाज़ फर्कस को रोमांचक पांच गेम के मुकाबले में 6-11, 9-11, 11-5, 11-9, 11-3 से शिकस्त दी। अब चोटरानी की अगली टक्कर फ्रांस के विश्व नंबर 19 और चौथे वरीय खिलाड़ी बैप्टिस्ट मसोती से होगी। चोटरानी मुकाबले में एक समय हार के बेहद करीब नजर आ रहे थे। पहले दो गेम गंवाने के बाद उन्होंने तीसरा गेम जीता, लेकिन चौथे गेम में वे 2-8 से पीछे चल रहे थे। ऐसे मुश्किल हालात में चोटरानी ने जबरदस्त जज्बा दिखाते हुए अगले 10 में से 9 अंक अपने नाम किए और मुकाबले को निर्णायक गेम तक ले गए। निर्णायक गेम में भी उन्होंने उसी लय को बरकरार रखते हुए 10-3 की बढ़त बनाई और पहला ही मैच प्वाइंट भुनाकर जीत सुनिश्चित कर ली। महिला वर्ग में भारत की राष्ट्रीय चैंपियन और सातवीं वरीय खिलाड़ी अनाहत सिंह को पहले दौर में बाई मिली। इसके बाद महिला मुकाबलों में मेन्ना हामेद और वाई यान आउ यॉन्ग के बीच पांच गेम का जोरदार संघर्ष देखने को मिला। टूर्नामेंट में हाल ही में शामिल हुई आउ यॉन्ग ने पहले दो गेम के टाईब्रेक जीतकर बड़ा उलटफेर करने के संकेत दिए–पहला गेम 15-13 और दूसरा 19-17 से उनके नाम रहा।

हालांकि, पैर की अंगुली में चोट से जूझ रहीं मेन्ना हामेद ने शानदार वापसी की। तीसरे गेम में देरी से कोर्ट पर लौटने के कारण उन्हें टाइम वॉयलेशन मिला और वे 0-1 से पीछे हो गईं, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपनी लय पकड़ ली। हामेद ने तीसरा गेम 11-5 से जीता, चौथे गेम में 3-5 से पिछड़ने के बाद 11-7 से वापसी की और निर्णायक गेम में महज सात मिनट में 10-4 की बढ़त बनाकर शानदार बैकहैंड ड्रॉप के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। अन्य मुकाबलों में हेले वार्ड ने शिन यिंग यी को 3-2 से हराया, जबकि नूर ज़मान ने वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी यी शियान सियो को कड़े मुकाबले में मात दी। दिन के अंतिम मुकाबले में सैम टॉड ने दर्शकों के पसंदीदा वलेरी फेदोरुक को हराया, जबकि नाथन लेक ने माजेन हेशाम को 3-1 से शिकस्त देकर दिन की कार्रवाई का समापन किया।

कुश्ती भारत की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक : मुनिराज जी

एजेंसी

मरादाबाद। खेल निदेशालय खेल भवन लखनऊ उप्र एवं उत्तर प्रदेश प्रदेशीय क्रीड़ा संघ के संयुक्त तत्वाधान में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार में प्रदेश स्तरीय तीन दिवसीय समन्वय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का आज शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उदघाटन मुरादाबाद परिक्षेत्र के उप महानिरीक्षक मुनिराज जी द्वारा किया गया। डीआईजी ने कहा कि कुश्ती भारत की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि यह खेल आज न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है, बल्कि सरकार की ओर से मिल रहे प्रोत्साहन के चलते यह आधुनिक खेल की दिशा में भी निरंतर आगे बढ़ रहा है।

पुलिस उप महानिरीक्षक मुनिराज जी ने बताया कुश्ती एक ऐसा खेल है जो हर वर्ग, हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। उन्होंने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर कहा कि हार और जीत से ऊपर उठकर आत्मविश्वास और अभ्यास को महत्व देना चाहिए। इस अवसर पर क्षेत्रीय कीडाधिकारी चंचल मिश्रा, कीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक, उप्र कुश्ती संघ के संयुक्त सचिव राजकुमार मिश्रा, सचिव पवन कुमार सिसोदिया, आसिफ सिद्दीक्की, वीर सिंह यादव, दिनेश कुमार सिंह सिसोदिया, विवेक कुमार प्रजापति, सुनील चौधरी, धर्मदेव भाठी, प्रवीण ठेकेदार, गोरख यादव, गोविन्द कुमार यादव, ललिता चौहान, नेहा सिंह, सचिन कुमार विश्नोई, धीरज कुमार, रामकृपाल, प्रदीप कुमार, अंकित अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट का 12वां संस्करण 2 फरवरी से, प्रो. बालाराम पाणि करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल आमंत्रण हॉकी टूर्नामेंट के 12वें संस्करण का आयोजन 2 से 9 फरवरी, 2026 तक किया जाएगा। इसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के टॉप कॉलेजों की पुरुष व महिला टीमें शिरकत करेंगी। मेजबान श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर रबि नारायण कर के अनुसार मुख्य अतिथि प्रोफेसर बालाराम पाणि, डीन ऑफ कॉलेजेस, दिल्ली यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट का उद्घाटन सोमवार को सुबह 10.30 बजे, श्याम लाल कॉलेज, शाहदरा के मैदान पर करेंगे। इस अवसर पर प्रो. सरिता त्यागी, एचओडी, डीपीईएसएस, डीयू, डॉ. ज्योति मान, असिस्टेंट डारेक्टर, डीयूएससी, संजीव गौतम, एसीपी, शाहदरा, सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। खेल समिति के संयोजक वी एस जग्गी ने बताया कि पुरुष वर्ग में दस टीमें तथा महिला वर्ग में छह टीमें लीग और नॉकआउट आधार पर खेलेंगी। टॉप चार टीमों के बीच सेमीफाइनल और फिर दो टीमों के बीच फाइनल मैच होगा। पिछले वर्ष पुरुष वर्ग में मेजबान श्याम लाल कॉलेज और महिला वर्ग में दिल्ली

यूनिवर्सिटी एलुमना की टीम चैंपियन रहीं थी। श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर रबि नारायण कर के अनुसार कॉलेज स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और फिट इंडिया अभियान के तहत बच्चों को खेलों के माध्यम से फिटनेस के प्रति जागरुक रखने के लिए ऐसे टूर्नामेंट बेहद जरूरी हैं। पुरुष वर्गः श्याम लाल कॉलेज (प्रातः), इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस, किरोड़ी मल कॉलेज, एमिटी यूनिवर्सिटी, श्याम लाल कॉलेज बी, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य), हंसराज कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, श्याम लाल कॉलेज (एलुमनस)। महिला वर्गः इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस, भारती कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना, विवेकानंद कॉलेज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज।

गाडेकी-पीयर्स ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स खिताब बरकरार

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की ओलिविया गाडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में इतिहास रच दिया। इस जोड़ी ने शुक्रवार को खेले गए मिक्स्ड डबल्स फाइनल में फ्रांस की क्रिस्टिना म्लादेनोविच और मैनुअल गुइनार्ड को 4-6, 6-3, 10-8 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही गाडेकी और पीयर्स 37 वर्षों में ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स का खिताब बचाने वाली पहली जोड़ी बन गई इससे पहले आखिरी बार 1989 में जाना नोवोत्ना और जिम प्यूग की जोड़ी ने लगातार दो बार यह खिताब जीता था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की किसी जोड़ी द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने का रिकॉर्ड इससे भी पुराना है। 62 साल पहले मार्गरेट कोर्ट और केन फ्लेचर ने यह कारनामा किया था। फाइनल मुकाबले की बात करें तो फ्रांसीसी जोड़ी ने पहले सेट में बेहतर खेल दिखाते हुए कई ब्रेक के बीच 6-4 से

बढ़त बनाई। हालांकि, घरेलू दर्शकों के समर्थन से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शानदार वापसी की और दूसरा सेट 6-3 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मैच का फैसला 10 अंकों के सुपर टाईब्रेक में हुआ, जहां गाडेकी और पीयर्स एक समय 5-7 से पीछे चल रहे थे। लेकिन दबाव के इस क्षण में दोनों खिलाड़ियों ने संयम और साहस का परिचय देते हुए लगातार अंक बटोरे और दूसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर जीत दर्ज की। रॉड लेवर एरीना में मौजूद घरेलू दर्शक इस ऐतिहासिक जीत के साथ खुशी से झूम उठे।

डिकॉक के तूफानी शतक से साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी 20 में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

सेंचुरियन। क्विंटन डिकॉक के विस्फोटक शतक की बदौलत साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल में सात विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। सुपरस्पोर्ट पार्क में खेले गए इस मुकाबले में डिकॉक ने उधार के बल्ले से ऐसी पारी खेली, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 221 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करते हुए डिकॉक शानदार लय में नजर आए और उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के सामने कैरेबियाई गेंदबाज बेबस दिखे। साउथ अफ्रीका ने 15 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 33 वर्षीय डिकॉक ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 49 गेंदों में 115 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 10

छक्के जड़े। यह साउथ अफ्रीका का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। इससे पहले 2023 में इसी मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ ही 259 रन का लक्ष्य हासिल किया गया था, जिसमें डिकॉक ने 44 गेंदों में 100 रन की पारी खेली थी। मैच के बाद डिकॉक ने खुलासा किया कि वह अपने कुछ बल्ले घर पर ही भूल गए थे और उन्होंने युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस से बल्ला उधार लिया था। डिकॉक ने कहा, 'मैंने गलती से अपने कुछ बैट घर छोड़ दिए थे। सेंचुरियन में प्रोटियाज रंगों में फिर से बल्लेबाजी करना खास अनुभव रहा। यह मैदान हमेशा से हाई-स्कोरिंग रहा है। ' डिकॉक ने ग्यान रिकेल्टन के साथ दूसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की। रिकेल्टन ने 36 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज की ओर से ब्रैंडन किंग (49) और शिमरोन हेटमायर (75) ने दूसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में 126 रन जोड़कर मजबूत आधार तैयार किया। मध्य ओवरों में साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों ने रन गति पर लगाम लगाई, जिसमें केशव महाराज ने 4 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट झटके। हालांकि, शेरफेन रदरफोर्ड ने अंतिम ओवरों में 24 गेंदों पर नाबाद 57 रन बनाकर टीम को तेज फिनिश दी। इस दौरान साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्खिया को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जिन्होंने तीन ओवर में 59 रन लुटा दिए।

ऑलराउंडर साइम अयूब के दम पर पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

एजेंसी

लाहौर। साइम अयूब के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 22 रन से शिकस्त दी। लाहौर में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए और फिर कसी हुई गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को 146 रन पर रोक दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और साहिबजादा फरहान पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए। इसके बाद साइम अयूब और कप्तान सलमान आगा ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 74 रनों की अहम साझेदारी हुई। अयूब ने 40 रन बनाए, जबकि सलमान आगा ने 39 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए लेग स्पिनर एडम जंपा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए और पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोका। 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत भी लड़खड़ाई। साइम अयूब ने गेंद से भी कमाल दिखाते हुए पहले मैथ्यू शॉर्ट और फिर कार्यवाहक कप्तान ट्रेविस हेड (23) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दबाव में डाल दिया। रन आउट के चलते भी ऑस्ट्रेलिया को नुकसान उठाना पड़ा। कैमरन ग्रीन ने 36 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन मोहम्मद नवाज ने उन्हें आउट कर पाकिस्तान की जीत लगभग तय कर दी। निचले क्रम में जेवियर बार्टलेट ने नाबाद 34 रन बनाए, लेकिन वह हार का अंतर ही कम कर सके।

तुरान बायरामोव की अगुआई में दिल्ली दंगल वॉरियर्स सेमीफाइनल में, पंजाब को 5-4 से हराया

एजेंसी

नोएडा। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 के लीग चरण के अंतिम मुकाबले में दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब रॉयल्स को रोमांचक मुकाबले में 5-4 से मात दी और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाया और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम चार में प्रवेश किया।

दिल्ली की जीत के नायक रहे तुरान बायरामोव, जिन्होंने निर्णायक 74 किग्रा पुरुष वर्ग के बाउट में अंडर-23 एशियन चैंपियन चंद्रमोहन को 18-8 से हराकर टीम को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए बायरामोव को 'प्लेयर ऑफ द

मैच' चुना गया। वहीं, महिलाओं के 62 किग्रा वर्ग में पंजाब की एना गोडिनेज़ को जुझारू जीत के लिए 'फाइटर ऑफ द मैच' का सम्मान मिला। मुकाबले की शुरुआत पंजाब रॉयल्स के पक्ष में रही, जब महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में प्रिया मलिक ने अनास्तासिया अल्पयेवा को 2-0 से हराया। हालांकि, 86 किग्रा पुरुष वर्ग में वफाईपुर हादी बख्तियार की एकतरफा जीत से दिल्ली ने बराबरी कर ली। इसके बाद कप्तान सुजीत कलकल और शुभम कौशिक की जीत ने दिल्ली को 3-1 की बढ़त दिलाई। पंजाब ने महिलाओं के वर्गों में जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 4-3 कर लिया, लेकिन निर्णायक क्षण में बायरामोव ने दबाव को अवसर में बदला और दिल्ली की सेमीफाइनल एंट्री सुनिश्चित कर दी। अंतिम 125 किग्रा बाउट फॉरफिट से दिल्ली के नाम रही, जिससे मुकाबला 5-4 पर समाप्त हुआ। इस जीत के साथ दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने छह अंकों और 24 बाउट जीत के साथ लीग चरण में दूसरा स्थान हासिल किया। पहले सेमीफाइनल में अब हरियाणा थंडर्स का सामना पंजाब रॉयल्स से होगा, जबकि दिल्ली खिताब की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है।

आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल 2026 के फाइनल में मारी एंट्री, यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

वडोदरा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में जगह पक्की कर ली है। सीजन के 18वें मुकाबले में आरसीबी ने यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ आरसीबी के 8 मैचों में 12 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचकर सीधे फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं, सात मैचों में पांचवीं हार के बाद यूपी वॉरियर्स की प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई हैं।

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स की शुरुआत मजबूत रही। कप्तान मेग लैनिंग और दीप्ति शर्मा ने पहले विकेट के लिए 8.1 ओवर में 74 रन जोड़े। लैनिंग 30 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि दीप्ति शर्मा ने 43 गेंदों में 55 रनों की जुझारू पारी खेली। हालांकि, इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और यूपी की टीम 8 विकेट पर 143 रन ही बना सकी। आरसीबी की ओर से नादिन डी क्लार्क ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि ग्रेस हैरिस ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी को ग्रेस हैरिस और स्मृति मंधाना ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 108 रनों की साझेदारी

कर मुकाबला एकतरफा बना दिया। हैरिस ने 37 गेंदों में 75 रनों की तूफानी पारी खेली, जबकि स्मृति मंधाना ने 27 गेंदों में 54 रन बनाकर टीम को 13.1 ओवर में ही जीत दिला दी। इस जीत के साथ आरसीबी ने खिताबी मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है।

सुव्रत का चयन यूपीसीए की अंडर-23 टीम में

एजेंसी

प्रयागराज। शहर के क्रिकेटर सुव्रत प्रसाद तिवारी का चयन सीके नायडू ट्रॉफी अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश

क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की टीम में किया गया है। यूपी की टीम 30 जनवरी से 2 फरवरी तक उत्तराखंड के विरुद्ध रामनगर में मुकाबला खेलेगी। टैगोर टाउन निवासी जीपी तिवारी के पुत्र सुव्रत ने क्रिकेट की बारीकियां मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में एनआईएस कोच अमित पाल और कौशिक पाल से सीखी हैं। ऑफ स्पिन गेंदबाज और मध्यक्रम के बल्लेबाज सुव्रत तिवारी वर्ष 2024 में यूपी टी-20 लीग में काशी रुद्रा टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। सुव्रत के चयन पर धीरज मिश्र, ध्रुव प्रताप सिंह, अनुज सिंह परिहार, सचिन प्रकाश सिंह ने हर्ष जताते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर भारत की मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी-20 सीरीज में शानदार शुरुआत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। भारत ने ऐतिहासिक पांच मैचों की इंडिया बनाम इंग्लैंड मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज की शुरुआत दमदार जीत के साथ की। शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम, ग्रेटर नोएडा में खेले गए पहले मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 173 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। कप्तान कैलम फ्लिन ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई, जबकि लियान ओ'ब्रायन ने 41 गेंदों में 55 रनों की संयमित पारी खेली, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे। विकेटकीपर-बल्लेबाज एंगस ग्रांट ब्राउन ने अंत में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 170 के पार पहुंच सका।

भारत की ओर से गेंदबाजी में आकाश सिंह और विवेक कुमार ने अहम मौकों पर विकेट चटकाकर इंग्लैंड की रनगति को नियंत्रित रखा और बड़े साझेदारियों को बनने से रोका। जवाब में भारत ने लक्ष्य का पीछा बेहद आत्मविश्वास के साथ किया और 18.5

ओवर में 3 विकेट पर 175 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय पारी के हीरो विकेटकीपर-बल्लेबाज योगेंद्र भडोरिया रहे, जिन्होंने 59 गेंदों में शानदार 94 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। योगेंद्र को आकाश सिंह का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में 36 रन की तेज पारी खेली। इसके अलावा अर्जुन गावरे ने 13 रन बनाए, जबकि माजिद (नाबाद 12) और कप्तान रविंद्र सांते (नाबाद 11) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। मैच के बाद योगेंद्र भडोरिया ने कहा, 'यह पुरस्कार मेरे लिए खास है, लेकिन असल में यह पूरी टीम का है। हमने आत्मविश्वास के साथ खेला और समावेशन व समान अवसर की भावना वाली इस सीरीज में योगदान देना गर्व की बात है।

' यह सीरीज शारीरिक, श्रवण और बौद्धिक दिव्यांग खिलाड़ियों को एक ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाने की पहल का हिस्सा है। सीरीज का दूसरा टी20 मुकाबला भी ग्रेटर नोएडा में ही खेला जाएगा।

चार महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल, ईरान को अमेरिका की चेतावनी से बढ़ी चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमत पिछले 4 महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंच गई है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 70.31 प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड पिछले साल सितंबर के बाद अभी तक के सबसे ऊंचे स्तर 65.09 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। हालांकि भारतीय समय के मुताबिक शाम 6 बजे ब्रेंट क्रूड 2.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 64.66 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान ने न्यूक्लियर डील नहीं की तो उस पर हमला किया जाएगा। ट्रंप की चेतावनी के कारण मिडल ईस्ट में तनाव बढ़ाने की आशंका बन गई है। ट्रंप की इस चेतावनी की वजह से कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। बताया जा रहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच संभावित टकराव की आशंका को देखते हुए कच्चे तेल के आयातकों ने पिछले 14 महीने की अवधि में सबसे लंबे समय के लिए भारी प्रीमियम देने की भी तैयारी कर ली है।

आर्थिक सर्वे वैश्विक मंदी के बीच भारत की विकास क्षमता और मजबूती का देता है संकेतः खंडेलवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने गुरुवार को कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 भारतीय अर्थव्यवस्था की एक आत्मविश्वासपूर्ण और विश्वसनीय तस्वीर प्रस्तुत करता है। खंडेलवाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लोकसभा में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। उ?होंने कहा कि आगामी वित?त वर्ष 2026-27 के लिए 6.8 फीसदी से 7.2 फीसदी की सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान अत्यंत सराहनीय है, विशेषकर ऐसे समय में जब विश्व की अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं मंदी, महंगाई के दबाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं का सामना कर रही हैं। कैट महामंत्री ने कहा कि प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत की निरंतर विकास गति देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद, विवेकपूर्ण नीतिगत निर्णयों और सुधारोन्मुख शासन व्यवस्था को दर्शाती है। आर्थिक सर्वेक्षण इस तथ्य को और सुदृढ़ करता है कि भारत आज भी दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

इकोनॉमिक सर्वे के संकेतों ने बाजार में फूंकी जान, लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ स्टॉक मार्केट

नई दिल्ली। इकोनॉमिक सर्वे (आर्थिक सर्वेक्षण) के संकेतों से उत्साहित निवेशकों ने आज घरेलू शेयर बाजार में जम कर लिवाली की। इस लिवाली के कारण शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। हालांकि शुरुआती कारोबार में निगेटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स के कारण हुई बिकवाली की वजह से बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया था, लेकिन संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश होने के बाद माहौल पूरी तरह से बदल गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी की। सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब एक हजार अंक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने निचले स्तर से लगभग 300 अंक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आर्थिक सर्वे : गरीबी में आई कमी, सबसे निचले तबके की खपत में तेज वृद्धि

नई दिल्ली। संसद में पेश आर्थिक सर्वे 2025-26 में कहा गया है कि केंद्र सरकार के लक्षित कल्याणकारी उपायों से गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई है और आय वितरण में सुधार हुआ है। इससे सबसे निचली पांच से 10 फीसदी आबादी के उपभोग व्यय में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। सर्वेक्षण में सब्सिडी, पेंशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक व्यय के सकारात्मक परिणामों का जिक्र किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आर्थिक सर्वे 2025-26 पेश किया। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 और वित?त वर्ष 2023-24 के बीच प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय (एमपीसीई) में सबसे बड़ी वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सबसे निचली पांच से 10 फीसदी आबादी के बीच देखी गई।

यह सरकारी नीतियों के सकारात्मक प्रभाव को बताती है। सर्वे के अनुसार गरीबी के दुष्चक्र से कमजोर वर्ग को बाहर निकालने के लिए सरकार के उपायों का सकारात्मक परिणाम हुआ है, जो गरीबी कम करने के विभिन्न उपायों में प्रतिबिंबित होते हैं। आर्थिक सर्वे 2025-26 में कहा गया है कि सरकारी नीतियों का आय वितरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। मुख्य रूप से सब्सिडी, पेंशन, प्रत्यक्ष अंतरण और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा सहित सामाजिक सेवाओं पर सार्वजनिक व्यय के माध्यम से आय वितरण पर सकारात्मक असर दिखा है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में स्वदेशी एवं कम उपयोगी उद्यानिकी फसलों पर मंथन

एजेंसी

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी तथा बागवानी अनुसंधान एवं विकास समिति, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चतुर्थ भारतीय उद्यानिकी शिखर बैठक सह- अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 के दूसरे दिन स्वदेशी एवं कम उपयोग में आने वाली उद्यानिकी फसलों के सतत् विकास को लेकर व्यापक और गहन विचार-विमर्श किया गया। देश-विदेश से आए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों एवं विषय-विशेषज्ञों ने फसल विविधीकरण, ऊर्ध्व खेती, स्मार्ट कृषि, मृदा-रहित उत्पादन प्रणालियों तथा नवाचार आधारित तकनीकों को किसानों की आय वृद्धि और क्षेत्रीय विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। दिनभर चले तकनीकी सत्रों में कटाई उपरांत प्रबंधन, प्रसंस्करण,

मूल्य संवर्धन तथा कृषि-निर्यात की संभावनाओं पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने प्याज, लहसुन, ड्रैगन फ्रूट, आलू, शकरकंद, टमाटर, मिर्च, पुष्पोत्पादन एवं औषधीय पौधों से जुड़े प्रसंस्करण और विपणन अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकें किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने और उचित मूल्य सुनिश्चित करने में सहायक होंगी। साथ ही गुणवत्तायुक्त बीज, स्वच्छ रोपण सामग्री और उन्नत नर्सरी तकनीकों को उद्यानिकी विकास की मजबूत आधारशिला बताया गया। दोपहर बाद आयोजित सत्रों में संरक्षित खेती, सटीक कृषि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकें, एक्वापोनिक्स, आईओटी आधारित बाग प्रबंधन तथा रोग एवं कीट प्रबंधन की उन्नत रणनीतियों पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के मद्देनज़र जलवायु-स्मार्ट फसलें, डिजिटल निर्णय-सहायक प्रणालियाँ, कृषि-वानिकी, हॉर्टी-पाश्चर एवं एकीकृत कृषि मॉडल को भविष्य की उद्यानिकी के लिए आवश्यक बताया गया। द्वितीय दिवस पर आयोजित पोस्टर प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने अपने नवीन शोध कार्य प्रस्तुत किए।

भारत का व्यापक आर्थिक आधार मजबूत, वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक किया सामना : वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार 'पहले से कहीं अधिक मजबूत' है। उन्होंने कहा कि देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बढ़कर सात फीसदी हो गई है। सीतारमण ने संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश करने के बाद एक?स पर जारी एक पोस्?ट में कहा कि भू-राजनीतिक विखंडन और आर्थिक उथल-पुथल वाली दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है, जो मजबूत, स्थिर और तेजी से आगे बढ़ रहा है।वित्त मंत्री ने कहा, ''हमारे व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। हमने अपनी संभावित जीडीपी वृद्धि दर को सुधारकर सात फीसदी कर लिया है।'' आर्थिक सर्वे में बताया गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मज़बूत गति बनाए रखी है, जिसमें पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है। यह प्रदर्शन लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि करता है।

बैकुंठ-उरकुरा के बीच 426 करोड़ की लागत से चौथी रेल लाइन को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत बैकुंठ से उरकुरा के बीच चौथी रेलवे लाइन के निर्माण को स्वीकृति प्रदान कर दी है। 26.40 किलोमीटर लंबी इस रेल परियोजना पर लगभग 426.01 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह रेलखंड मुंबई-हावड़ा उच्च घनत्व मार्ग का हिस्सा है, जिसे देश के सबसे व्यस्त रेल कॉरिडोरों में गिना जाता है। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि बैकुंठ-उरकुरा सेक्शन बिलासपुर-रायपुर-नागपुर मुख्य लाइन का अहम हिस्सा है, जहां मौजूदा समय में रेल यातायात पूरी क्षमता पर संचालित हो रहा है। ऐसे में चौथी लाइन के निर्माण से इस खंड पर दबाव कम होगा और ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारु बन सकेगा। नई रेल लाइन से यात्री और कोचिंग ट्रेनों के लिए अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी, जिससे देरी में कमी आएगी और समयपालनता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके साथ ही मालगाड़ियों की आवाजाही भी अधिक भरोसेमंद और तेज हो

सकेगी। रेल मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 14.25 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता सृजित होगी, जिससे भारतीय रेल को पहले ही वर्ष से लगभग 61.70 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वार्षिक आय होने का अनुमान है। क्षेत्र में बिजली संयंत्रों, कोयला खदानों, इस्पात एवं सीमेंट उद्योगों के तेजी से विस्तार को देखते हुए यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नई लाइन से कोयला, स्टील, सीमेंट और अन्य आवश्यक वस्तुओं के परिवहन को गति मिलेगी, जिससे औद्योगिक विकास और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। यह परियोजना एनर्जी, सीमेंट एवं मिनरल कॉरिडोर के अंतर्गत चिन्हित की गई है, जो आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रेलवे अवसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में भारतीय रेल का एक और बड़ा कदम है। परियोजना के पूरा होने के बाद यात्रियों को तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय यात्रा सुविधा मिलेगी।

राज्य सभा में सोने-चांदी के दामों में उछाल का उठा मुद्दा

एजेंसी

नई दिल्ली । राज्यसभा में गुरुवार को शून्यकाल के दौरान सोने व चांदी की कीमतों में उछाल, विज्ञापनों में बढ़ती अश्लीलता और महंगाई से जुड़े मुद्दे उठाए गए और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की मांग उठी। कांग्रेस सांसद नीरज डांगी ने सोने-चांदी की कीमतों में उछाल को लेकर चिंता जताते हुए सरकार से इस ओर कदम उठाने की मांग की।उन्होंने कहा कि देश में सोने एवं चांदी की बेकाबू कीमतों ने ग्रामीण भारत विशेषकर महिलाओं और विवाह वाले परिवारों को परेशानी में डाल दिया है। पिछले 13 महीनों यानी दिसंबर 2024 से जनवरी 2026 के बीच भारत में चांदी की कीमतों में करीब 306 प्रतिशत और सोने की कीमतों में 111 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भारत में सोना-चांदी नारी की सुरक्षा, आत्मसम्मान और पारिवारिक भविष्य से जुड़ा है और ऐसे देश में इनकी कीमतों में बढ़ोतरी पर लगाम लगाने की दिशा में सरकार को कदम उठाना चाहिए। वहीं, राज्य सभा सदस्य के लक्ष्मण ने क्रिकेट मैच के दौरान टीवी पर दिखाए जाने वाले तंबाकू और गुटखा के विज्ञापनों पर चिंता जताते हुए सरकार का ध्यान खींचा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट अब खेल ही नहीं एक भावना है। लोग मैच परिवार के साथ देखते हैं। ऐसे में इन मैचों के दौरान गुटखा, तंबाकू के विज्ञापनों के आने से परिवार के सदस्यों खासकर बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। खास बात यह है कि तंबाकू गुटखा के विज्ञापनों में क्रिकेटर भी अभिनय करते दिखाई देते हैं। यह समाज, बच्चों के लिए ठीक संदेश नहीं देता। उन्होंने इन विज्ञापनों को नियंत्रित करने और सेलिब्रिटीज़ व खिलाड़ियों को ऐसे उत्पादों का प्रचार करने से हतोत्साहित करने की मांग की। सीपीआई (एम) के सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास ने भारतीय विमानन उद्योग में शोषणकारी मूल्य निर्धारण, सुरक्षा की कमी और एकाधिकार के मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि महामारी के बाद से हवाई किरायों में 120 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, 'दो एयरलाइंस के पास उद्योग के 90 प्रतिशत शेयर हैं।' जबकि बाकी देशों में यह प्रतिशत सिर्फ 25 प्रतिशत है। उन्होंने विमानन क्षेत्र में यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी चिंता जताई। वहीं, भाजपा सांसद डॉ. अजीत माधवराव गोपछड़े ने ब्लैक प्लास्टिक और नॉन-स्टिक बर्तनों व घरेलू सामान पर सख्त नियंत्रण की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि इन सामग्रियों से निकलने वाले माइक्रोप्लास्टिक मानव स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डालते है

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में कई प्रमुख परियोजनाओं को दी स्वीकृति

एजेंसी

रायपुर। केंद्र सरकार ने पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में कई प्रमुख परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। यह जानकारी पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राज्य सभा में सांसद फुलो देवी नेताम द्वारा पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि इको-पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्तीय सहायता मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों और विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर स्वीकृत की जाती है। छत्तीसगढ़ राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण सदन के पटल पर रखा गया है। पर्यटन मंत्री ने यह भी बताया कि पर्यटन और गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए स्वदेश दर्शन योजना को नए स्वरूप में स्वदेश दर्शन 2.0 के रूप में पुनः आरंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य सतत एवं उत्तरदायी पर्यटन स्थलों का विकास करना है।

सतत पर्यटन के लिए तैयार राष्ट्रीय कार्यनीति में पर्यावरणीय स्थिरता को एक प्रमुख स्तंभ के रूप में शामिल किया गया है, जिसे राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को कार्यान्वयन हेतु परिचालित किया गया है। इसके अनुरूप 'ट्रैवल फॉर लाइफ' कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में कई प्रमुख परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। स्वदेश दर्शन 1.0 के अंतर्गत जशपुर-कुनकुरी-मैनपाट-कमलेश्वरपुर-महेशपुर-कुरदर-सरोधादादर-गंगरेल-कोंडागांव-नथियानवागांव-जगदलपुर-चित्रकूट-तीर्थगढ़ पर्यटन परिपथ के विकास के लिए 96.10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत कवर्धा में भोरमदेव कॉरिडोर के विकास के लिए 145.99 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। चुनौती आधारित गंतव्य विकास योजना के अंतर्गत मयाली बगीचा को इको-पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने हेतु 9.96 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। प्रसाद योजना के अंतर्गत राजनांदगांव जिले में स्थित मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर के विकास के लिए 48.44 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसके अतिरिक्त, पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत चित्रोत्पला फिल्म सिटी के विकास हेतु 95.79 करोड़ रुपये तथा जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र के विकास के लिए 51.87 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य को पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए कुल 448.15 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता प्रदान की गई है।

सरकार का उद्देश्य बस्तर क्षेत्र सहित राज्य के वन एवं वन्यजीव बहुल क्षेत्रों को इको-पर्यटन के प्रमुख गंतव्यों के रूप में विकसित करना तथा स्थानीय समुदायों के लिए सतत आजीविका के अवसर सृजित करना है।

केंद्र सरकार ने तीन राज्यों के लिए 1,156 करोड़ रुपये किए जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और त्रिपुरा की पंचायती राज संस्थाओं के लिए 1, 156 करोड़ रुपये से अधिक अप्रतिबंधित अनुदान की दूसरी किस्त जारी की है। पंचायती राज मंत्रालय की जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी किस्त के रूप में जारी की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रशासन को सशक्त बनाना और स्थानीय विकास कार्यों को गति देना है। आंध्र प्रदेश में 410.76 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इस राशि से राज्य की 13,092 पात्र ग्राम पंचायतों, 650 पात्र ब्लॉक पंचायतों और सभी 13 पात्र जिला पंचायतों को लाभ मिलेगा। महाराष्ट्र में 714.32 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इन अनुदानों से राज्य भर की 26,407 पात्र ग्राम पंचायतों, 15 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 2 पात्र जिला परिषद लाभांवित होंगे। त्रिपुरा के लिए 30.6 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इस राशि का लाभ सभी 606 पात्र ग्राम पंचायतों, 35 पात्र ब्लॉक पंचायतों, 8 पात्र जिला परिषदों, 587 पात्र ग्राम समितियों, 40 पात्र ब्लॉक सलाहकार समितियों और 1 पात्र टीटीएएडीसी मुख्यालय को लाभ प्राप्त होगा। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अप्रतिबंधित अनुदान की पहली किस्त के रोके गए हिस्से में से 85 लाख रुपये की राशि भी एक अतिरिक्त पात्र टीटीएएडीसी मुख्यालय को जारी कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इन अनुदानों की सिफारिश पंचायती राज मंत्रालय एवं जल शक्ति मंत्रालय की ओर से की जाती है, जिसे बाद में वित्त मंत्रालय जारी करता है। यह पैसा पंचायतों को साल में दो बार मिलता है, जिसे वे विकास कार्यों, साफ़-सफाई और पानी की व्यवस्था पर खर्च कर सकते हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ सीकेके रिटेल मार्ट का आईपीओ , छह फरवरी को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। पैकेज्ड एग्रो कमोडिटी के डिस्ट्रीब्यूशन का काम करने वाली कंपनी सीकेके रिटेल मार्ट का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 3 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 4 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 5 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 6 फरवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 155 रुपये से लेकर 163 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। सीकेके रिटेल मार्ट के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी

1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,60,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 54 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 67 करोड़ रुपये के 41,34,400 नए शेयर और 16 करोड़ रुपये के 9,92,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए वनव्यू कॉरपोरेट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एसवीसीएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 4.51 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 12.67 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 16.36 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 8.59 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

स्टॉक मार्केट में शायोना इंजीनियरिंग की सपाट शुरुआत, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, हैवी फैब्रिकेशन, कास्टिंग, फॉर्जिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग और टर्न-की प्रोजेक्ट मशीनरी के बिजनेस में लगी कंपनी शायोना इंजीनियरिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 144 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 144 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 137.40 रुपये के स्तर तक गिर गया। हालांकि बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसस इसकी स्थिति में सुधार भी हुआ। सुबर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 143 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.69 प्रतिशत के नुकसान में थे। शायोना इंजीनियरिंग का 14.86 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 27 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.43 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.73 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.32 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी प्लांट और मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 61 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.71 करोड़ रुपये हो गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे फिसल कर 92 रुपये के स्तर तक पहुंचा

नई दिल्ली। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 21 पैसे फिसल कर 92 रुपये के स्तर तक पहुंच गई। हालांकि, बाद में रुपये की हालत में मामूली सुधार हुआ, जिसके कारण भारतीय मुद्रा 16 पैसे की कमजोरी के साथ 91.95 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 88.10 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की कमजोरी के साथ 92 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये की स्थिति मे सुधार भी आया। शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की लिवाली के कारण डॉलर के प्रवाह में तेजी आई, जिससे रुपया रिकवरी कर 91.82 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर डॉलर की मांग में तेजी आ गई, जिससे रुपये में एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 16 पैसे की गिरावट के साथ 91.95 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया।

आईआईएम अहमदाबाद में 'कृष्णमूर्ति टंडन स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की स्थापना के लिए एमओयू का आदान-प्रदान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएम-ए) में कृष्णमूर्ति टंडन स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की स्थापना के लिए गुरुवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया। यह एमओयू चंद्रिका कृष्णमूर्ति टंडन और रंजन टंडन के साथ किया गया। एमओयू का आदान-प्रदान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की गरिमामयी उपस्थिति में नई दिल्ली में हुआ, जबकि अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा वर्चुअली इस अवसर से जुड़े। इस स्कूल की स्थापना के लिए चंद्रिका कृष्णमूर्ति टंडन–जो आईआईएम अहमदाबाद के पीजीपी बैच 1975 की एलुमनस हैं–और रंजन टंडन द्वारा 100 करोड़ रुपये का उदार एंडोमेंट प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत–एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले यह एमओयू प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक एआई महाशक्ति बनाने की दिशा में

उठाया गया ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लोगों, प्रगति और पृथ्वी को सशक्त बनाने वाला एक प्रमुख माध्यम बनेगा। प्रधान ने कहा कि भारत की एआई नेतृत्व क्षमता केवल तकनीक से नहीं, बल्कि मजबूत संस्थानों और मानव संसाधन से तय होगी। उन्होंने चंद्रिका कृष्णमूर्ति टंडन और रंजन टंडन द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल एलुमनाई द्वारा अपने संस्थान को वापस देने की परंपरा को और सशक्त करती है। उन्होंने कहा कि यह एआई स्कूल भारत की एआई क्षमताओं को बढ़ाने, एआई का लोकतंत्रीकरण करने, वैश्विक एआई अर्थव्यवस्था के लिए भारत से रोजगार सृजन करने तथा सामाजिक कल्याण के लिए एआई के उपयोग को बढ़ावा देगा। आईआईएम अहमदाबाद में प्रबंधन शिक्षा के भीतर स्थापित यह एआई स्कूल प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और सार्वजनिक प्रभाव के संगम पर कार्य करेगा। इसका उद्देश्य जिम्मेदार और प्रभावी एआई अनुप्रयोगों के माध्यम से भारत की जटिल चुनौतियों का समाधान करना होगा। यह स्कूल व्यवसाय-केंद्रित और ट्रांसलेशनल एआई के लिए एक केंद्र के रूप में विकसित होगा, जहां विश्वस्तरीय फैकल्टी, उद्योग जगत के नेता, नीति निर्माता और वैश्विक साझेदार एक साथ मिलकर एआई अनुसंधान और अनुप्रयोग की नई सीमाएं तय करेंगे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी, आईआईएम अहमदाबाद के निदेशक प्रो. भारत भास्कर, संयुक्त सचिव पूर्णेंदु बनर्जी सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

यूरोपीय संघ ने ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स को आतंकी संगठन घोषित किया

एजेंसी

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने ईरान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उसकी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को आतंकी संगठनों की सूची में शामिल कर लिया है। ईयू के विदेश मंत्रियों ने इस फैसले पर सहमति जताई, जिसे ईरान के नेतृत्व के प्रति यूरोप की नीति में एक बड़ा और प्रतीकात्मक बदलाव माना जा रहा है। अब आईआरजीसी को इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों की श्रेणी में रखा गया है।ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा कि दमन को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जो शासन अपने ही हजारों नागरिकों की हत्या करता है, वह अपने ही पतन की ओर बढ़ रहा है। हाल के दिनों में ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर हुई हिंसक कार्रवाई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई, के बाद इस फैसले को गति मिली। हालांकि पहले कुछ यूरोपीय देश इस कदम को लेकर सतर्क थे, लेकिन फ्रांस और इटली जैसे देशों के समर्थन से यह फैसला संभव हो सका। ईयू ने इसके साथ ही गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोप में 15 व्यक्तियों और छह संस्थाओं पर नए प्रतिबंध भी लगाए हैं। इसके बावजूद ईयू ने स्पष्ट किया है कि ईरान के साथ कूटनीतिक संवाद पूरी तरह बंद नहीं होगा।

बलूचिस्तान में सरकारी कर्मचारियों की गिरफ्तारी पर मानवाधिकार आयोग की कड़ी आपत्ति

क्वेटा। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें उठा रहे सरकारी कर्मचारियों की हिरासत की कड़ी निंदा की है। आयोग ने बलूचिस्तान ग्रैंड अलायंस के नेताओं और सदस्यों को तुरंत रिहा करने की मांग की है, जिन्हें कथित तौर पर मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर (एमपीओ) कानून के तहत माच जेल भेजा गया है। एचआरसीपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि वेतन और भत्तों से जुड़ी मांगों को शांतिपूर्ण तरीके से उठाने वाले कर्मचारियों को हिरासत में लेना लोकतांत्रिक मूल्यों और मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। आयोग ने जेलों में कथित अमानवीय हालात, भोजन और चिकित्सा सुविधा की कमी तथा अत्यधिक ठंड में कैद रखने की खबरों पर गंभीर चिंता जताई और इसे अमानवीय व अपमानजनक व्यवहार करार दिया। यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब बलूचिस्तान एम्प्लॉइज ग्रैंड अलायंस (बीईजीए) के कर्मचारियों ने क्वेटा और खुज़दार में रैलियां निकालकर डिस्पैरिटी रिडक्शन अलाउंस समेत अन्य मांगें उठाईं। क्वेटा में प्रदर्शनकारियों ने सिटी पुलिस स्टेशन के बाहर धरना दिया, जहां 11 कर्मचारियों ने स्वेच्छा से गिरफ्तारी दी।

यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता की कोशिशें तेज, रूस ने जेलेंस्की को मॉस्को आने का फिर दिया न्योता

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के बीच क्रेमलिन ने कहा कि उसने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को शांति वार्ता के लिए मॉस्को आने का निमंत्रण दोहराया है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही वार्ताओं से किसी समझौते की उम्मीद बढ़ी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इंटरफैक्स समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि मॉस्को को अभी तक जेलेंस्की की ओर से इस निमंत्रण पर कोई जवाब नहीं मिला है। इससे पहले भी रूस ने ऐसा प्रस्ताव दिया था, जिसे जेलेंस्की ने यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि वह उस देश की राजधानी नहीं जा सकते, जो रोज उनके देश पर मिसाइलें दाग रहा हो। हाल के दिनों में अबू धाबी में अमेरिका की पहल पर रूस और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय वार्ताओं से शांति प्रक्रिया में कुछ गति आई है। इसी कड़ी में दोनों देशों ने युद्ध में मारे गए सैनिकों के शवों का आदान-प्रदान भी किया है। हालांकि, लड़ाई अब भी जारी है और यूक्रेन हालिया मिसाइल हमलों के चलते गंभीर बिजली संकट से जूझ रहा है।

नेपाल को चुनाव के लिए भारत से ढाई सौ गाड़ियों की दूसरी खेप मिली

काठमांडू। भारत सरकार ने चुनाव संबंधी सहायता के लिए दूसरी खेप के रूप में 250 से अधिक वाहन उपहार स्वरूप सौंपे हैं। यह सहायता नेपाल के वित्त मंत्री रमेश्वर खनाल की उपस्थिति में सौंपी गई। काठमांडू स्थित वित्त मंत्रालय में आज आयोजित एक समारोह में कार्यवाहक राजदूत डॉ. राकेश पांडेय ने नेपाल सरकार को 250 से अधिक वाहन औपचारिक रूप से हस्तांतरित किए। यह वाहन नेपाल में होने वाले आगामी चुनावों की तैयारियों के संदर्भ में नेपाल सरकार की ओर से मांगी गई सहायता का हिस्सा है। इससे पहले भारत ने पहली खेप में 61 बोलेरो पिक अप वैन नेपाल सरकार को दी हैं। समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री रमेश्वर प्रसाद खनाल ने भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने चुनाव की तैयारियों में इस सहायता के महत्व को रेखांकित करते हुए भारत सरकार और भारतीय जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। भारत सरकार ने चुनाव संबंधी सहायता की पहली खेप 20 जनवरी को नेपाल को सौंपी थी। आने वाले सप्ताहों में चरणबद्ध तरीके से और भी सामग्री की आपूर्ति किए जाने की उम्मीद है।

ट्रंप का दावा : रूस एक हफ्ते तक यूक्रेन के शहरों पर नहीं करेगा हमला; शांति वार्ता में आई तेजी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस इस बात पर राजी हो गया है कि कड़ाके की ठंड के दौरान एक हफ्ते तक यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे शहरों पर हमला नहीं करेगा। ट्रंप के मुताबिक यह फैसला मानवीय कारणों से लिया गया है, क्योंकि तेज ठंड में हमले होने से आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ जातीं। ट्रंप ने अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से कहा कि वे मंत्रिमंडल को बातचीत की प्रगति के बारे में जानकारी दें। स्टीव विटकॉफ ने बताया कि यूक्रेन की तरफ से कहा गया है कि जिनेवा में हुई बातचीत के बाद जितनी प्रगति हुई है, उतनी पिछले चार साल में कभी नहीं देखी गई। विटकॉफ ने यह भी बताया कि हाल ही में अमेरिकी अधिकारियों की रूस के अधिकारियों से मुलाकात हुई। उन्होंने कहा कि

पिछले रविवार अबू धाबी में पांच रूसी जनरल उनके साथ मौजूद थे और इस बैठक में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि बातचीत आगे भी जारी रहेगी और करीब एक हफ्ते बाद फिर से चर्चा होगी। विटकॉफ के अनुसार शांति समझौते के मसौदे पर काम काफी आगे बढ़ चुका है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास एक सुरक्षा प्रोटोकॉल समझौता है जो काफी हद तक पूरा हो चुका है, एक समृद्धि समझौता है जो काफी हद तक पूरा हो चुका है। मुझे लगता है कि यूक्रेन के लोग अब उम्मीद कर रहे हैं कि हम जल्द ही कोई शांति समझौता करेंगे। इसके बाद ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे अपील करने के बारे में बताया। ट्रंप ने कहा, 'ठंड, बहुत ज्यादा ठंड के कारण... मैंने व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति पुतिन से इस दौरान एक हफ्ते तक कीव और शहरों और कस्बों पर गोलीबारी न करने के लिए कहा और वह इसके लिए सहमत हो गए। ' ट्रंप ने कहा कि कई सलाहकारों ने उन्हें फोन न करने की सलाह दी थी और कहा था कि इससे कोई फायदा नहीं होगा, लेकिन ट्रंप ने फिर भी बात की और परिणाम सामने आया। ट्रंप के अनुसार यूक्रेन इस समय बेहद मुश्किल हालात से गुजर रहा है। ठंड के मौसम में मिसाइल हमले लोगों की स्थिति को और खराब कर देते। उन्होंने स्टीव विटकॉफ ने इस प्रगति का श्रेय ट्रंप की बातचीत की रणनीति को दिया। उनका कहना था कि ट्रंप की मौजूदगी और दबाव की वजह से यह संभव हो पाया, जबकि यूक्रेन को पहले लगता ही नहीं था कि ऐसा हो सकता है। ट्रंप ने बताया कि ठंड का स्तर रिकॉर्ड तोड़ है और हालात अमेरिका जैसे ही हैं।

दक्षिण अफ्रीका के डरबन में सड़क हादसा, 11 की मौत

एजेंसी

डरबन (दक्षिण अफ्रीका)। दक्षिण अफ्रीका में डरबन के पास गुरुवार सुबह सड़क हादसे में एक बच्चे समेत कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा क्वाजुलु-नटाल में हुआ। सूचना मिलते ही राहत और बचाव कर्मचारी मौके पर पहुंचे। द साउथ अफ्रीकन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रक और मिनी बस की सीधी टक्कर में 11 लोगों की जान चली गई। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पास के प्राथमिक उपचार केंद्र ले जाया गया। कई लोग अभी भी मिनी बस में फंसे बताए गए हैं।

स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनिसो डूमा ने इस हादसे में 11 लोगों के मरने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि

मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। घायलों में मिनी बस का ड्राइवर भी शामिल है। इस घटना से एक सप्ताह पहले जोहान्सबर्ग में हुए सड़क हादसे में 14 स्कूली बच्चों की मौत हो गई थी।

नेपाल चुनावः वाग्ले ने लिया यू टर्न, बोले- उनकी पार्टी है सनातन का कवच

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के उपाध्यक्ष डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने देश की धार्मिक पहचान को लेकर अपने पुराने बयान को लेकर फैले विवाद के बीच यू टर्न ले लिया है और कहा है कि उनकी पार्टी हिन्दू, बौद्ध तथा किरात समाज वाली सनातन सभ्यता का कवच है। वाग्ले ने शुक्रवार सुबह फेसबुक पर अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए यह बात कही। दरअसल पिछले चुनाव में डॉ. वाग्ले ने एक भाषण में कहा था कि जिसको भी नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाना है वो इस पार्टी को छोड़ कर जा सकते हैं। पिछले चुनाव में दिया गया यह भाषण इस चुनाव में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनकी पार्टी के उम्मीदवारों से मतदाता इस बारे में सवाल पूछने लगे हैं। वाग्ले के इस बयान का जबरदस्त विरोध होने के बाद आज उन्होंने सफाई दी है। वाग्ले ने लिखा, 'सनातन सभ्यता और उन्नत लोकतंत्र–जब हमारी यह धारणा इतनी स्पष्ट है, तो विपक्ष भ्रम फैलाने के लिए क्यों सक्रिय है?' नेपाल के इतिहास और नेपाल की सनातन सभ्यता पर गर्व है। ' उन्होंने यह भी लिखा है कि नेपाल का सनातन

उन्होंने आगे कहा, 'हम सनातन सभ्यता के रक्षक हैं और उदार, सहिष्णु व बहुलवादी समाज का कवच हैं। ' उन्होंने पार्टी के सार्वजनिक दस्तावेज पढ़कर निष्कर्ष निकालने का आग्रह किया। वाग्ले ने कहा, 'कृपया हमारे दस्तावेज पढ़िए। उन्हीं दस्तावेजों में बार-बार सवाल उठाने की जरूरत नहीं है। हमने स्पष्ट रूप से लिखा है कि हमें सभ्यता वाले हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म और यहां के आदिवासी जनजाति समाज का किरात धर्म ही इस देश का आधार स्तंभ है। इसको नेपाल की पहचान बताते हुए वाग्ले ने कहा कि हम इन तीन धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और इनके खिलाफ होने वाले हर षडयंत्र के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे।

अमेरिका के नेपाली दूतावास ने अपने नागरिकों से कहा - नियमों का पालन करें अन्यथा वीजा ही नहीं ग्रीन कार्ड भी हो सकता है रद्द

एजेंसी

काठमांडू। संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित नेपाल दूतावास ने अमेरिका में रह रहे नेपाली नागरिकों से अमेरिकी कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। दूतावास ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर वीजा ही नहीं, बल्कि ग्रीन कार्ड तक रद्द किया जा सकता है।

दूतावास ने जारी सार्वजनिक सूचना में अध्ययन, यात्रा, रोजगार, व्यवसाय या पारिवारिक यात्रा के उद्देश्य से अमेरिका में रह रहे नेपाली नागरिकों से आग्रह किया कि वे किसी भी अवैध गतिविधि में संलिप्त न हों और अमेरिकी नागरिकों के लिए निर्धारित सुविधाओं का अवैध लाभ उठाने हेतु गलत या भ्रामक जानकारी प्रस्तुत न करें। दूतावास ने कहा कि उसे अमेरिकी अधिकारियों से जानकारी मिली है कि कोई भी विदेशी नागरिक यदि सब्सिडी युक्त स्वास्थ्य सेवा, आवास, पारिवारिक सहायता या शैक्षणिक सहायता जैसी सुविधाओं पर अवैध या धोखाधड़ी के माध्यम से निर्भर पाया जाता है, तो उसके वीज़ा या ग्रीन कार्ड की स्थिति पर सीधे प्रभाव पड़ सकता है, जिसमें रद्दीकरण भी शामिल है।

सूचना में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रवर्तित कड़े वीजा नीति का भी उल्लेख किया गया है और नेपाली नागरिकों से बदलते नियमों के प्रति सतर्क और अनुपालक बने रहने का आग्रह किया गया है।दूतावास ने याद दिलाया कि वर्ष 2024 में अमेरिकी सरकार द्वारा सब्सिडी प्राप्त सेवाओं के शीर्ष लाभार्थियों में नेपाली नागरिक भी शामिल पाए गए थे, जिसके बाद अमेरिका ने नेपालियों के लिए प्रवासी वीज़ा को अस्थायी रूप से निलंबित करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी की थी।

इसके अलावा, दूतावास ने बी1 (व्यवसाय) और बी2 (पर्यटन) वीज़ा के दुरुपयोग के प्रति भी चेताया। दूतावास के अनुसार, बी1/बी2 वीजा पर निर्धारित अवधि से अधिक समय तक ठहरने और बिना अनुमति रोजगार में संलग्न होने के मामलों के कारण अमेरिकी सरकार ने 21 जनवरी 2026 से 5,000 से 15,000 अमेरिकी डॉलर तक की वीज़ा बॉन्ड अनिवार्यता लागू करने का निर्णय लिया है। दूतावास ने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियां नेपाल के प्रति अमेरिकी वीज़ा नीति को और नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं, जिससे भविष्य के आवेदकों के लिए वीज़ा प्राप्त करना कठिन हो सकता है और देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को भी नुकसान पहुंच सकता है। दूतावास ने अमेरिका में रह रहे सभी नेपाली नागरिकों से अवैध गतिविधियों से दूर रहने, गलत जानकारी न देने, अमेरिकी नागरिकों के लिए निर्धारित सुविधाओं पर निर्भर न होने और अपने-अपने वीज़ा की शर्तों का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया है।

ट्रंप ने कनाडा पर 50 प्रतिशत एयरक्राफ्ट टैरिफ लगाने की दी धमकी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ व्यापारिक स्तर पर एक्शन लेने की चेतावनी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा अमेरिकी कंपनी गल्फस्ट्रीम के विमानों को प्रमाणन (सर्टिफिकेशन) देने से गलत, गैरकानूनी और लगातार इनकार कर रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि कनाडा ने गल्फस्ट्रीम 500, 600, 700 और 800 जेट विमानों को प्रमाणित नहीं किया है, जबकि ये दुनिया के सबसे बेहतरीन और अत्याधुनिक विमान हैं। उन्होंने इसे अमेरिकी कंपनी के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि अमेरिका भी जवाबी कदम उठाएगा। राष्ट्रपति ने ऐलान किया कि अमेरिका कनाडा में बने बॉम्बार्डियर ग्लोबल एक्सप्रेस और कनाडा में निर्मित सभी विमानों का प्रमाणन रद्द करेगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला तब तक लागू रहेगा, जब तक गल्फस्ट्रीम को पूरी तरह से प्रमाणन नहीं मिल जाता।

ट्रंप ने कनाडा पर यह भी आरोप लगाया कि वह अपनी नियामक प्रक्रिया के जरिए अमेरिकी विमानों की बिक्री को रोक रहा है। उन्होंने कहा कि इसी प्रक्रिया के कारण गल्फस्ट्रीम के उत्पादों को कनाडाई बाजार में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है।

ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर इस मुद्दे को ठीक नहीं किया गया तो टैरिफ लगाए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, 'अगर किसी भी वजह से इस स्थिति को तुरंत ठीक नहीं किया गया, तो मैं कनाडा से अमेरिका में बेचे जाने वाले सभी एयरक्राफ्ट पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाऊंगा। '

इस बयान के बाद अमेरिका में राजनीतिक प्रतिक्रिया भी तेज हो गई है। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रांड ने ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि राष्ट्रपति अपने करीबी सहयोगी देशों के खिलाफ लापरवाही से टैरिफ का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने ट्रंप से गैरकानूनी टैरिफ धमकियों को तुरंत रोकने की मांग की। गिलिब्रांड ने दावा किया कि ट्रंप पहले भी कनाडाई सामान पर 100 प्रतिशत टैरिफ और दक्षिण कोरियाई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि ट्रंप ने नाटो देशों को 10 प्रतिशत टैरिफ की चेतावनी दी थी, जब तक कि अमेरिका को ग्रीनलैंड नहीं दिया जाता।

सीनेटर ने कहा कि अगर कनाडा के खिलाफ टैरिफ बढ़ाया गया, तो इसका सीधा असर न्यूयॉर्क और आसपास के इलाकों पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि खाद, बिजली और कार के पुर्जों जैसे कई जरूरी उत्पादों के लिए लोग कनाडा पर निर्भर हैं। गिलिब्रांड के अनुसार, पहले लगाए गए टैरिफ के कारण न्यूयॉर्क के परिवारों पर करीब 4,200 डॉलर तक का अतिरिक्त बोझ पड़ा।

उन्होंने महंगाई बढ़ने की भी चेतावनी दी और कहा कि जब कीमतें पहले ही आसमान छू रही हैं, तब आम परिवारों पर और बोझ डालना गलत है। कनाडा अमेरिका का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार है और ऊर्जा, निर्माण और विमानन जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों की सप्लाई चेन आपस में जुड़ी हुई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि विमान प्रमाणन से जुड़े ऐसे विवाद न केवल व्यापार, बल्कि दोनों देशों के रिश्तों पर भी गहरा असर डाल सकते हैं।

ट्रंप ने फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष पॉवेल का उत्तराधिकारी खोजा

एजेंसी

वॉशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को नया अध्यक्ष जल्द मिलने वाला है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल का उत्तराधिकारी खोज लिया है। वह फेड के नए अध्यक्ष की घोषणा शुक्रवार को करेंगे। प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप पर बनी फिल्म मेलानिया के प्रीमियर में राष्ट्रपति ने कहा कि इस खोज में पांच माह का वक्त लगा। इस पद को भरने के लिए प्रक्रिया सितंबर में 11 उम्मीदवारों के साथ शुरू हुई थी। इसमें पूर्व और वर्तमान फेड अधिकारी, अर्थशास्त्री और वॉल स्ट्रीट निवेश पेशेवर शामिल थे। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, माना जाता है कि इन उम्मीदवारों में से अंतिम चार में पूर्व फेड अध्यक्ष केविन वॉर्श, नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के निदेशक केविन हैसेट, मौजूदा फेड गवर्नर क्रिस्टोफर वालर और ब्लैकरॉक के फिक्स्ड इनकम के मुख्य निवेश अधिकारी रिक रीडर शामिल हैं।

ट्रंप ने कहा, मैं कल सुबह फेड चेयर के नाम की घोषणा करूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने सच में किसी एक नाम पर फैसला कर लिया है, तो उन्होंने जवाब दिया, हां, मैंने कर लिया है। सूत्रों का कहना है कि ट्रंप इस पद के लिए केविन वॉर्श के नाम की घोषणा कर सकते हैं। बताया गया है कि वॉर्श को व्हाइट हाउस में भी देखा गया है। इस पर व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप सही समय पर फेडरल रिजर्व के लिए अपनी पसंद के बारे में घोषणा करेंगे। इससे पहले इस पर बात करना समय बर्बाद करना है।

अमेरिका वेनेजुएला के ऊपर कमर्शियल एयरस्पेस फिर से खोलने जा रहा है : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका वेनेजुएला के ऊपर कमर्शियल एयरस्पेस फिर से खोलने जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच संबंधों के एक नए दौर की शुरुआत हो रही है, जिसमें अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला में काम के मौके तलाश रही हैं। ट्रंप ने कैबिनेट मीटिंग में कहा कि उन्होंने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति से बात की है और यात्रा बहाल करने के लिए तुरंत कदम उठाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला के ऊपर पूरा व्यावसायिक हवाई क्षेत्र खोला जाएगा और बहुत जल्द अमेरिकी नागरिक वहां जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि वहां जाने वाले यात्री सुरक्षित रहेंगे। ट्रंप के अनुसार, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

ट्रंप ने बताया कि अमेरिका में रहने वाले वेनेजुएलावासी इस फैसले को ध्यान से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मियामी के डोरल इलाके में, जिसे 'लिटिल वेनेजुएला' कहा जाता है, लोग इस फैसले से बहुत खुश हैं। यह बदलाव एक सफल सुरक्षा अभियान और बेहतर होते रिश्तों का नतीजा है। ट्रंप ने इस काम के लिए जनरल केन और उनकी टीम की तारीफ भी की।

उन्होंने इस बदलाव को एक सफल सुरक्षा ऑपरेशन और बेहतर होते संबंधों से जोड़ा। ट्रंप ने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं, वेनेजुएला के संबंध में एक स्थिति बनी थी। मैं जनरल केन और उनके स्टाफ को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हम उनके साथ बहुत अच्छे से मिल-जुलकर काम कर रहे हैं। रिश्ते बहुत मजबूत, बहुत अच्छे रहे हैं। ' ट्रंप ने कहा कि अब दोनों देशों के बीच संबंध काफी मजबूत और अच्छे हो गए हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी तेल कंपनियां पहले ही वेनेजुएला जाना शुरू कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी तेल कंपनियां वहां संभावनाएं देख रही हैं और अपने काम की जगह तय कर रही हैं।

ट्रंप के मुताबिक, इससे दोनों देशों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि इससे वेनेजुएला और अमेरिका, दोनों के लिए बड़ी संपत्ति पैदा होगी और तेल कंपनियां भी अच्छा मुनाफा कमाएंगी।

ट्रंप ने कहा कि इस फैसले के बाद वेनेजुएला में लोग सड़कों पर उतर आए। उन्होंने कहा, 'वेनेजुएला के लोग सचमुच सड़कों पर अमेरिकी झंडे लहरा रहे थे, वे बहुत खुश थे। '

उन्होंने परिवहन मंत्री सीन डफी और अन्य संबंधित विभागों को तेजी से काम करने का निर्देश दिया। ट्रंप ने कहा कि इस फैसले से दोनों तरफ की यात्रा संभव होगी। वेनेजुएला से आए लोग चाहें तो वापस जा सकेंगे या मिलने के लिए वहां जा सकेंगे।

अमेरिका में शटडाउन टालने के लिए समझौता

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में सरकारी शटडाउन टालने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सीनेट डेमोक्रेट्स ने समझौता कर लिया। यह जानकारी राष्ट्रपति और सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर के कार्यालय ने दी है। इस समझौते के अंतर्गत सितंबर तक गृह सुरक्षा विभाग (होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट) को छोड़कर बाकी सभी सरकारी विभागों को फंड मिलेगा। इस समझौते से जुड़े पांच सूत्रों के अनुसार, गृह सुरक्षा विभाग दो सप्ताह के स्टॉपगैप बिल पर काम करेगा। इसका मकसद यह है कि मिनियापोलिस में दो अमेरिकी नागरिकों की हत्या पर जनता के गुस्से के बाद डेमोक्रेट्स की मांग पर बातचीत के लिए समय मिल सके। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, फंडिंग समझौते पर सीनेट में वोटिंग गुरुवार रात को ही हो सकती है। अगर यह समझौता नहीं हो पाता तो शनिवार आधीरात बाद कई एजेंसियों के लिए फंडिंग अस्थायी रूप से बंद हो जाएगी। अगर इस समझौते पर दोनों सदनों की मुहर लग जाती है तो इसका असर कम होने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए कि ज्यादातर संघीय कर्मचारी सप्ताहांत पर काम नहीं करते हैं। राष्ट्रपति ने दोनों पक्षों के सांसदों से इस द्विदलीय समझौते के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया है। उन्होंने गुरुवार रात ट्रुथ सोशल पर कहा, हमारे देश को धीमा करने वाली एकमात्र चीज एक और लंबा और नुकसानदायक सरकारी शटडाउन है। उन्होंने कहा, कांग्रेस में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स एक साथ आए हैं ताकि सरकार के ज्यादातर विभागों को सितंबर तक फंड मिल सके। एवं गृह सुरक्षा विभाग को भी विस्तार

दिया जा सके। यह समझौता सीनेट ते 1.2 ट्रिलियन डॉलर के बड़े फंडिंग पैकेज को खारिज करने के कुछ ही घंटों बाद हुआ है। समझौता होने से पहले शूमर ने कहा था, यह अमेरिका के लिए सच स्वीकार करने का पल है। पिछले शनिवार को मिनियापोलिस की सड़कों पर देश ने जो देखा, वह एक नैतिक बुराई है।

पाकिस्तान के मियांवाली में छह आतंकवादी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के उत्तर-पश्चिम स्थित मियांवाली में छपरी डैम के पास आतंकवाद निरोधी विभाग के जवानों को अभियान में सफलता मिली है। मुठभेड़ में छह आतंकवादी मारे गए। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार

आतंक निरोधी विभाग ने खुफिया सूचना पर आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकवादियों ने जवानों पर गोलियां बरसा दीं। इसके बाद हुई गोलीबारी में छह आतंकवादी मारे गए। इस दौरान इन आतंकवादियों के आठ साथी भागने में कामयाब रहे। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मौके से तीन हैंड ग्रेनेड, तीन एसएमजी, 200 राउंड गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। अधिकारी फिलहाल मारे गए आतंकवादियों की पहचान करने की प्रक्रिया में हैं।

ट्रंप ने कहा- क्यूबा अमेरिका के लिए गंभीर खतरा, नया ट्रैरिफ सिस्टम लागू करने का आदेश दिया

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि क्यूबा से अमेरिका को एक असामान्य और गंभीर खतरा है। उन्होंने क्यूबा सरकार से पैदा हुए खतरे को लेकर देश में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया है। इसी वजह से उन्होंने एक नई शुल्क (टैरिफ) व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया है। इस व्यवस्था के तहत उन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है, जो क्यूबा को तेल की आपूर्ति करते हैं। व्हाइट हाउस में साइन किए गए कार्यकारी आदेश में ट्रंप ने कहा कि क्यूबा सरकार की नीतियां और उसके कामकाज अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए खतरा हैं। इसलिए मौजूदा कानूनों के तहत आपात कदम उठाना जरूरी हो गया है। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति होने के नाते देश की सुरक्षा और विदेश नीति की रक्षा करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा से जुड़ी स्थिति अमेरिका के लिए एक असामान्य और बड़ा खतरा है, जिसका स्रोत काफी हद तक अमेरिका के बाहर है। आदेश में आरोप लगाया गया है कि क्यूबा कई ऐसे देशों और संगठनों का समर्थन करता है, जो अमेरिका के खिलाफ हैं। इसमें रूस, चीन, ईरान के साथ-साथ हमास और हिज़्बुल्लाह जैसे संगठनों का नाम लिया गया है। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा 'खुलेआम संयुक्त राज्य अमेरिका के खतरनाक दुश्मनों को पनाह देता है और उन्हें अपने इलाके में 'अत्याधुनिक सैन्य और खुफिया क्षमताएं' स्थापित करने के लिए आमंत्रित करता है जो सीधे संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंचाती हैं। ' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि क्यूबा में रूस का सबसे बड़ा विदेशी खुफिया केंद्र काम कर रहा है और चीन के साथ भी क्यूबा की सैन्य और रक्षा संबंधों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में आगे आरोप लगाया गया है कि क्यूबा हमास और हिज़्बुल्लाह जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों को पनाह देता है। इससे इन संगठनों को क्षेत्र में अपने आर्थिक, सांस्कृतिक और सुरक्षा नेटवर्क मजबूत करने का मौका मिलता है, जो अमेरिका और पूरे पश्चिमी गोलार्ध की स्थिरता को नुकसान पहुंचा सकता है। ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया कि क्यूबा लंबे समय से अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को कमजोर करने के लिए अन्य दुश्मन देशों को सैन्य और सुरक्षा मदद देता रहा है। ट्रंप ने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार पर आतंकवाद को बढ़ावा देने, अवैध प्रवासन और हिंसा के जरिए क्षेत्र को अस्थिर करने के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि क्यूबा सरकार अपने ही नागरिकों पर अत्याचार करती है। आदेश में कहा गया है, 'कम्युनिस्ट सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों को सताती और यातना देती है; क्यूबा के लोगों को बोलने और प्रेस की स्वतंत्रता से वंचित करती है; उनके दुख से भ्रष्ट तरीके से मुनाफा कमाती है और मानवाधिकारों का अन्य उल्लंघन करती है।' इसमें राजनीतिक कैदियों के परिवारों के खिलाफ बदले की कार्रवाई, धार्मिक लोगों को परेशान करना, नागरिक समाज पर प्रतिबंध, स्वतंत्र प्रेस पर रोक और ऑनलाइन सहित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीमाएं भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका कम्युनिस्ट क्यूबा सरकार की ज्यादतियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा।' उन्होंने अमेरिकी विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का वादा किया, साथ ही 'क्यूबा के लोगों की एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक समाज की आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध रहने' की बात कही। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार के ऐसे किसी भी व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस राष्ट्रीय आपातकाल से निपटने के लिए ट्रंप ने आदेश दिया है कि एक नई शुल्क व्यवस्था बनाई जाए।

page 1 and 8 jan 31_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/30/2026 10:55 PM Page 2

खबर संक्षेप

जम्मू पुलिस ने शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर दो मिनट का मौन रखा

जम्मू, 30 जनवरी (हि.स.)। जम्मू, जम्मू पुलिस मुख्यालय जम्मू के प्रांगण में प्राथमिक चिकित्सा बल अतिरिक्त प्राथमिक चिकित्सा बल और दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद दिवस के उपलक्ष्य में दो मिनट का मौन रखा। अतिरिक्त महानिदेशक सशस्त्र बल आनंद जैन ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने में अधिकारियों और कर्मचारियों का नेतृत्व किया।

आईजीपी उत्तम चंद पीएचक्यू की डीआईजी सुश्री निशा नथ्याल मुबस्सिर लतीफी डीआईजी आईआरपी जम्मू विनोद कुमार डीपीटी जम्मू-कश्मीर जे.एस. जोहर पीएचक्यू के एआईजीवी एडीजीपी सशस्त्र बल के एसओ और अन्य राजपत्रित अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस गंभीर सभा में भाग लिया

पुलिस ने 3.73 ग्राम हेरोइन जैसे पदार्थ के साथ ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया

सांबा, 30 जनवरी (हि.स.)। सांबा में ड्रग तस्करों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने विजयपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से लगभग 3.73 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया है। विजयपुर पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने एम्स आवासीय परिसर के पास राख बरोटेन रोड पर विशेष नाके के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे एक पैदल यात्री को रोका।

तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास से लगभग 3.73 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। ड्रग तस्कर की पहचान अरशद अहमद पुत्र मोहम्मद हाफिज निवासी समोटे तहसील सुरनकोट जिला पुंछ के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और प्रतिबंधित पदार्थ भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस स्टेशन विजयपुर में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8 21 22 के तहत एफआईआर संख्या 21 2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी के नाम पर रखा गया

कठुआ, 30 जनवरी (हि.स.)। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूत को सम्मान देते हुए उप राज्यपाल जम्मू-कश्मीर मनोज सिन्ह द्वारा कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 卐शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ रेलवे स्टेशन卐 रखने का आदेश जारी किया गया है। इस निर्णय से क्षेत्र में देशभक्ति और सम्मान की भावना को नई मजबूती मिली है।

शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए थे। उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को चिरस्थायी स्मृति देने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब कठुआ आने-जाने वाले यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही एक वीर शहीद की शौर्यगाथा की याद दिलाई जाएगी। स्थानीय लोगों, पूर्व सैनिकों और सामाजिक संगठनों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे कठुआ जिले के लिए गर्व का विषय बताया है। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्थलों के नाम शहीदों के नाम पर रखे जाने से युवा पीढ़ी को देशसेवा और बलिदान की प्रेरणा मिलती है। प्रशासन की ओर से बताया गया कि नाम परिवर्तन से संबंधित सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं और शीघ्र ही रेलवे स्टेशन पर नया नाम प्रदर्शित किया जाएगा। यह कदम न केवल शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी को सच्ची श्रद्धांजलि है बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान को हमेशा के लिए अमर करने का प्रयास भी है।

रोड सेफ्टी माह-स्लोगन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के माध्यम से किया जागरूक

कठुआ, 30 जनवरी (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बसोहली के रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा माह (1 जनवरी से 31 जनवरी 2026) के अंतर्गत सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर स्लोगन-मेकिंग एवं पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर राज किरण शर्मा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन केमिस्ट्री विभाग के एचओडी एवं एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. रोशन लाल की देखरेख में किया गया। प्रतियोगिता में कॉलेज के 30 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने हेलमेट के प्रयोग, सीटबेल्ट के महत्व, पैदल यात्रियों की सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन जैसे अहम विषयों पर रचनात्मक स्लोगन और आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए।

विद्यार्थियों की कलाकृतियों में संदेशात्मकता और रचनात्मकता साफ झलकती रही। स्लोगन-मेकिंग प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ.

वरिंदर सिंह, डॉ. वैष्णो देवी और प्रोफेसर विशाल शर्मा द्वारा किया गया जिसमें प्रियंका देवी (चौथा सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भानु (चौथा सेमेस्टर) द्वितीय और राधिका देवी (चौथा सेमेस्टर) तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. रोशन लाल, रोशन लाल शर्मा (पीटीआई) और प्रोफेसर मेघा शर्मा ने किया।

शहीद दिवस पर जीडीसी महानपुर में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

कठुआ, 30 जनवरी (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज महानपुर में 30 जनवरी को शहीद दिवस के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। राष्ट्रीय कार्यक्रम के अनुरूप दो मिनट का मौन रखकर महात्मा गांधी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सपना देवी द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता सूदन के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डॉ. सपना देवी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी के सिद्धांतों, विशेष रूप से अहिंसा के विचार की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

ढ़ींगरी मशरूम की खेती

ढ़ींगरी का भंडारण व उपयोग:

ढ़ींगरी की भंडारण अवधि वटन खुम्ब से ज़्यादा है इसके सामान्य तापमान पर 24-28 घंटे ताज़ा रखा जा सकता है। ढ़ींगरी को तोड़ने के पश्चात् इसे या ताज़ी अवस्था में ही बेच देते हैं या फिर इसे धूप में सुखा लेते हैं। ढ़ींगरी को सुखाने के लिए इसे धूप में दो या चार दिनों के लिए रखें। सूखे हुई ढ़ींगरी को पीस कर पाउडर भी बनाया जा सकता है। जिसका उपयोग बिस्कुट, बड़ियाँ, मशरूम सूप बनाने में किया जाता है। अधिक उत्पादन होने पर इसका आचार भी बनाया जा सकता है।

भारत प्राचीन काल से ही कृशि प्रधान देष है। यहाँ की जलवायु लगभग सभी प्रकार की फसलों के लिए उपयुक्त है। इन फसलों से प्राप्त अवषेश, जैसे भुसा, बाजरा, गन्ना, पुआल आदि पयाप्त मात्रा में बच जाते हैं, जिनका उपयोग पशुओं के चारे के रूप में होता है। इसके बावजूद जो अवषेश बच जाते हैं उनका प्रयोग खुम्ब उत्पादन में किया जा सकता है। ढ़ींगरी की खेती बहुत ही आसान और कम खर्चीली है। इसीलिए यह गरीब किसानों के लिए उचित आय का साधन भी है।

⏩ ढ़ींगरी का आहार:

ढ़ींगरी का संतुलित आहार के रूप में बड़ा महश्व है। इसमें 17 से 38: प्रोटीन होती है। ढ़ींगरी के प्रोटीन में वे सभी अमिनो एसिड पाए जाते हैं जो मनुश्य के षरीरिक विकास के लिए अति आवष्यक हैं। लवण कैलाषियम फासफोरस, पोटाषियम, आयरन तथा ताँबा भी उचित मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त ढ़ींगरी में विटामिल 'बी' काम्पलैक्स तथा विटामिन 'सी' 80 से 14 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम में पाए जाते हैं। ढ़ींगरी का सेवन मधुमेह हृदय रोग व मोटापे से ग्रस्त लोगों के लिए उपयुक्त भोजन है। भारत में ढ़ींगरी की अनेक प्रजातियाँ पाई जाती हैं। जिसमं कुछ ग्रीश्मकालीन और षरदकालीन हैं। इन प्रजातियों की तापमान आवष्यकता निम्नलिखित रूप से दर्षाई गई है।

⏩ शरद कालीन प्रजापतियाँ क वक जाल फैलाव के लिए फ्लन के लिए

1.प्लूरोंटस औसट्रिटस	25-30	20-22
2. प्लूरोंटस फ्लोरिडा	25-30	18-22

⏩ रसायनिक उपचार:

1. किसी ड्रम में 90 लीटर पानी लेकर 10 किलोग्राम भूसा डुबो लें।

2. इसके साथ ही एक बाल्टी में 125 मि लीटर फार्मलीन और 7.5 ग्राम वैविस्टीन को 10 लीटर पानी में मिला कर घोल बना लें।

3.बाल्टी में बनाए गए रसायनिक घोल को भूसे वाले ड्रम में उड़ेल दें तथा प्लास्टिक षीट से ढक दें।

4. 24 घंटे में बाद ड्रम को साफव पक्के फर्ष पर पलट दें ताकि भूसे से अतिरिक्त पानी निकल जाए और फार्मलीन की महक खत्म हो जाए इस प्रक्रिया में 1-1'' घंटे का समय लग जाता है। 10 किलो ग्राम सूखा भूसा उपचार के बाद लगभग 40 किलोग्राम हो जाता है।

⏩ बीजाई करने की विधि:

बीजाई करने से पहले बीजाई स्थल को अच्छी तरफसे फार्मलिन घोल से उपचारिक करें तथा बीजाई करने वाला श्रमिक भी अपने हाथों को साफ करें। इसके बाद उपचारित किए गए भूसे से 25-30 ग्राम प्रति किलो भूसे की दर से बीज मिलाते हैं इसे पालीथीन लिफफे (18X24'') में भरते हैं तथा इसके बाद इनका मुँह अच्छी तरह से बंद करते हैं। इन लिफाफों के निचले कोनों को थोड़ा सा काट लें ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए। बीजित बैगों को उत्पादन कक्षा में रख दें। इस उत्पादन कक्ष में 24 घंटे पहले 2: फार्मलिन के घोल से छिड़काव किया जाता है। कमरे का तापमान बीजित की गई प्रजाति के अनुसार और नमी 80-85 प्रतिषत रखना चाहिए। बीजित बैगों में 10-15 पैंसिल की मोटाई के समान छेद कर दें ताकि पालीथीन के बैग के अन्दर ज्यादा गर्मी न हो जाए और साथ में ढ़ींगरी के बीज को फैलने के लिए आवष्यक आक्सीजन भी मिलती रहे। 15 से 20 दिन के पश्चात् जब ढ़ींगरी का सारे भूसे में अच्छी तरह फैल जाए तो पालीथीन के बैगों को काट कर या ऐसे ही निकाल लें और भूसे तथा ढ़ींगरी के बीज से बने ढेले को लकड़ी या बांस के बने प्रेम के उपर 8 से 12 ईन्च की दूरी पर रख दें और इस बात का ध्यान रखें कि कमरे का तापमान प्रजाति के अनुसार और नमी 80-90 प्रतिषत तक बनी रहे। कमरे में उचित नमी बनाए रखने के लिए ढेलों के उपर तथा फर्ष पर स्प्रे पप्प की सहायता से हल्के पानी का छिड़काव प्रतिदिन करते रहें। पोलीथीन के लिफफे या बैग का निकालने के पश्चात् प्रतिदिन पानी के छिड़काव के 2-3 घंटे तक प्रकाष को कमरे में आने दें तथा ताजी हवा के लिए दरवाजे और खिड़कियाँ भी खोल दें। जिस कमरे में प्रकाष न पहुँच सके उसमें बिजली का बल्व या टयूब को दे घण्टे तक जलता रखे।

⏩ ढ़ींगरी का अंकुरण तथा देखभाल:

पोलीथीन लिफाफे निकालने से 5 से 7 दिन पश्चात् ढेले में से अंकुरण निकलना षुरू हो जाते हैं और 3-5 दिन के अन्दर तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब ढ़ींगरी का आकार 8-12 से.मी. हो जाए तो उसे उंगलियों की सहायता से हल्का सा मरोड़ दे कर तोड़े ले। ढ़ींगरी के निकलने का क्रम लगभग 40-50 दिन तक 8-10 दिन के अंतराल पर चलता रहता है।

⏩ ढ़ींगरी की उपज:

यदि कमरे में उचित तापमान और नमी बनाए रखी जाए तो 10 किलो ग्राम सूखे भूसे से 8-9 किलो ग्राम ढ़ींगरी प्राप्त होगी।

आमदनी:

आमदनी की दृश्टि से ढींगरी मुनाफा देती है क्योंकि इसमें कम समय और धन लगता है एक किलोग्राम ढींगरी पैदा करने के लिए 10-15 रूप्ये का खर्च आता है और बाज़ार में यह 30-50 रूप्ये प्रति किलो के भाव से बिकती है, इस प्रकार प्रति किलोग्राम में 15-30 रूप्ये की आमदनी होती है।

ढींगरी की भरपूर फसल लेने के उपाय:

1. रसायनिक विधि द्वारा माध्यम को उपचरित्र करें।
2. ढींगरी वाले कमरे को हमेषा स्वच्छ रखें तथा उसके बाहर भी गन्दगी को इक्ट्ठा न होने दें।
3. लिफाफे के निचले दोनों कोनों को 1'' काट दे ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल जाए।
4. तापमान और नमी को बनाए रखे।
5. ढींगरी को मुड़ने से पहले ही तोड़ लें।
6. जब फल आना षुय होता है दीवारों और फर्श पर 0.5 प्रतिषत मैलाथियान का स्प्रे कर दे ताकि किसी प्रकार का कीट हानिकारक सिद्ध न हो।
7. रोगी या किसी भी बीमारी वाले ब्लाक को कमरे से बाहर निकाल कर जमीन मं गाढ़ दें ताकि बीमारी न फैले।

ढ़ींगरी उगाने की विधि:

माध्यम का चुनाव: ढ़ींगरी को विभिन्न कृशि फसलों के अवषेशों पर आसानी से उगाया जा सकता है। इसके लिए अधिकतर भूसा या पुआल का इस्तेमाल किया जाता है।

माध्यम का उपचार: ढ़ींगरी में प्रयोग किए जाने वाले कृशि अवषेशों को हानिकारक जीवाणुओं से मुक्त करना पड़ता है। जिसके लिए चुने गए कृशि अवषेशों का रसायनिक विधिद्वारा उपचारित्र किया जाता है।

पशुपालन उभरता हुआ व्यवसाय

आज के समय में पशुपालन एक बहुत ही उभरता हुआ व्यवसाय है। पशुपालन भी कृषि व्यवसाय की एक शाखा है जिसमे कई प्रकार के पशुओं को उनके दूध, अंडे व अन्य उत्पादों के लिए पाला जाता है। पशु पालन के लिए आप को पशु पालन की जानकारी होना अति-आवश्यक है। यहाँ पर आप जानेंगे कुछ टिप्स जिनसे आप पशुपालन जैसे की भैंस, मुर्गी, भेड़, बकरी पालन आदि अच्छे से कर सकें व अधिक मुनाफा कमा सकें। ख़ास तौर पर भैंस और बकरी पालन के व्यवसाय में, जहाँ आपको पशु का दूध व माँस बेच कर मुनाफा होता है। आपको अपने पशु की नस्ल का चुनाव काफ़ी ध्यान से करना चाहिए। हर नस्ल का पशु अच्छा एवं ज्यादा दूध नहीं दे सकता। इसलिए आप पशु की नस्ल चुनते समय सावधानी बरतें। अपने पशु को अच्छे पोषण वाला आहार ही दें। अगर आप भी पशु पालन व्यवसाय से जुड़ने का मन बना रहे हैं तो आपको यह बात समझनी चाहिए की यदि आप अपने पशुओं को अच्छा चारा व दाना पानी देते हैं तो उससे न केवल उनकी सेहत अच्छी रहती है बल्कि पशु की उत्पादक क्षमता भी कई गुना बढ़ जाती है। पशु पालन करते समय आप अपने पशु को सही मात्रा में पोषण वाला आहार ही खिलाएं जिस से आपके पशु का स्वस्थ्य भी अच्छा रहेगा और आपको मुनाफा भी अधिक प्राप्त होगा।

पशु का आवास जितना अधिक स्वच्छ होगा उतना ही आपके पशु को बीमारी का खतरा कम रहता है। पशुओं को नियमित रूप से नहलाएँ और उनके आवास के लिए किसी ऊँची जगह का चयन करें जिस से बारिश एवं नालिओं का पानी, मल-मूत्र इत्यादि से वह बाहर रह सकें। आपके पशु के आवास में कम से कम दो से तीन जगह से अच्छी धुप आनी चाहिए। आवास में धुप के आने से न केवल वहाँ के कीटाणु मरते हैं बल्कि आपके पशु का स्वास्थ भी अच्छा रहता है। पशु आवास में पशु के लिए पानी एवं खाने की उपलब्धता का भी ध्यान रखना बहुत आवश्यक है। डेरी के कामो में वैसे भी पानी की काफी जरूरत होती है और ख़ास तौर पे गर्मी के मौसम में आपको पशु के लिए पानी उचित मात्रा में जरूर रखना चाहिए। पशु पालन में अपने पशु के स्वस्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पशु पालन में सबसे जरूरी बात यह होती है के आप अपने पशु को सही समय आने पर उसे सभी आवश्यक टीके लगवाएं, उसको लू लगने से बचाएं, चारा पर्याप्त मात्रा में दे ताकि उसका स्वास्थ ठीक बना रहे।

अगर आपका पशु कभी बीमार होता है, या आपको वह कुछ सुस्त दिखाई देता है तो तुरंत उसे जानवरों के डॉक्टर को दिखायें। ऐसा हो सकता है की उसकी तबियत ज्यादा खराब हो। कभी भी जानवर के बीमार होने पर खुद उसका इलाज करने की कोशिश न करें, यह आपके पशु के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अपने पशु को बेचने के लिए सही समय आने का इंतजार करें। अच्छी नस्ल वाले पशु को सही समय आने पर काफ़ी अच्छे दामों में बेचा जा सकता है। जैसे की अगर आप बकरी पालन करते हैं तो बकरीद के समय पे अपनी बकरी को अच्छे मुनाफे पर बेच भी सकते हैं। अगर आप बाजार में पशु का दूध बेचना चाहते हैं तो आपको काफ़ी अच्छा मुनाफा हो सकता है। पर अगर आप अपने पशु उत्पाद में पानी या किसी और चीज़ की मिलावट करेंगे तो वह आपके व्यवसाय के लिए हानिकारक हो सकता हैं। पशु उत्पादों में मिलावट करने से आपका मुनाफा तो बढ़ जाता है लेकिन मिलावट करने पर आपके ग्राहक आपके उत्पादों को नापसंद करने लगेंगे व आपके खिलाफ शिकायत भी हो सकती है। अगर आप सघन पशुपालन या आशय पशुपालन करना चाहते हैं तोह आपको अपने स्वस्थ का भी उचित ध्यान रखना पड़ेगा वर्ण आप जानवरों से होने वाले रोगों के शिकार बन सकते हैं। टीबी ऐसे रोगों में से एक उदाहरण हैं। जानवरों के मल में पैदा होने वाले बैक्टीरिया और उनमे बैठने वाली मक्खियां आपको बहुत बीमार कर सकती हैं। सरकार की तरफ से कृषि उद्धार के लिए किसान हेल्प लाइन जैसी कई सेवाएं शुरू की गयी हैं। आप इन सेवाओं का लाभ आप अपनी भाषा में मुफ्त उठा सकते हैं। यह सुविधा 24×7 चालु रहती है तो कभी अगर आपको पशु पालन से सम्बंधित कोई भी परेशानी हो तो देर किये बिना किसान हेल्प लाइन पे कॉल लगाएं। किसान हेल्प लाइन नंबर है 1551 या 1800-180-1551. पशुओं से अधिकतम दुग्ध उत्पादन प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रर्याप्त मात्रा में पौष्टिक चारे की आवश्यकता होती है। इन चारों को पशुपालक या तो स्वयं उगाता हैं या फिर कहीं और से खरीद कर लाता है। चारे को अधिकांशतः हरी अवस्था में पशुओं को खिलाया जाता है तथा इसकी अतिरिक्त मात्रा को सुखाकर भविष्य में प्रयोग करने के लिए भंडारण कर लिया जाता है। ताकि चारे की कमी के समय उसका प्रयोग पशुओं को खिलाने के लिए किया जा सके।

पोषक तत्वों से भरपूर : आंवला

आंवले के पौधे को बहुत शुभ माना जाता है और साथ ही इसके फल पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं जिनके सेवन से समय से पहले बाल सफेद न होना, आँखों की रोशनी बढ़ना जैसे कई सारे फायदे शरीर को होते हैं, इसीलिए हर किसी को अपने घर में आंवले के पौधे को जरूर लगाना चाहिए। यह एक ऐसा पेड़ है जिसे एक बार लगा देने पर बड़ा होने के बाद यह कई सालों तक फल देता रहता है।

यदि आप भी जानना चाहते हैं कि आंवले को घर पर बीज से कैसे उगाएं तो यह लेख आपके लिए ही है। घर पर आँवला या इंडियन गूसबेरी के बीज कब लगाएं, गमले में आँवला के बीज लगाने की विधि क्या है तथा अमला या आंवला के पेड़ की देखभाल या केयर कैसे करें, के बारे में संपूर्ण जानकारी के लिए लेख को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

⏩ आंवला प्लांट लगाने के लिए मिट्टी

इंडियन गूसबेरी या आंवला के पौधे को उगाने के लिए दोमट मिट्टी या चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि, मिट्टी न तो बहुत अधिक जलभराव वाली होनी चाहिए और न ही बहुत अधिक रेतीली। आंवला के पौधे थोड़ी अम्लीय और थोड़ी क्षारीय मिट्टी में (6.5-9.5 PH) अच्छे से ग्रो होते हैं।

⏩ गमले में आंवला के बीज कैसे लगाएं

आंवले का पेड़ काफी बड़ा (लगभग 20-25 फुट लम्बा) होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि, इसे उगाने के लिए बड़ा गार्डन ही चाहिए। आप इसे आसानी से अपने घर के छोटे गार्डन में या छत पर गमले में भी बीज से उगा सकते हैं। आप इन सरल स्टेप्स को फॉलो करके गमले में आंवला के पौधे आसानी से उगा सकते हैं, जैसे

1. सबसे पहले आप जिस भी वैरायटी के आंवला उगाना चाहते हैं, उसके बीज खरीद लें या उन्हें आँवला के फल से भी निकाल कर लगा सकते हैं।
2. आँवला के पौधे के लिए अच्छा पॉटिंग मिक्स तैयार करने के लिए आप 50न बलुई या चिकनी मिट्टी, 20न गोबर की खाद, 20% वर्मीकंपोस्ट और 10% नीम खली को मिक्स करें।
3. अब पॉटिंग मिक्स युक्त, सीडलिंग ट्रे या उचित आकार के ग्रो बैग (6 से 10 इंच) में आंवले के बीज को 0.6 सेंटीमीटर (1/4 इंच) की गहराई में लगा दें।
4. बीज लगाने के बाद मिट्टी में पानी डालें, ताकि मिट्टी नम हो जाए।
5. अब गमलों को आंशिक छाया वाली जगह पर ब्राइट लाइट में रख दें।
6. मिट्टी में नमी को बनाये रखें, इसके लिए समय-समय पर गमलों या सीडलिंग ट्रे (जिसमें बीज लगाएं हों) को चेक करते रहें।
7. अनुकूल जलवायु मिलने पर आंवला के बीज 30 से 50 दिन में जर्मीनेट हो जाते हैं।
8. यदि आप नर्सरी से खरीद कर आंवले का पौधा लाये हैं या फिर आपके द्वारा बीज से लगाए गए पौधे की लम्बाई 5-10 इंच हो जाए, तब आप पौधों को बड़े गमले या ग्रो बैग में रिपॉट अर्थात् स्थानांतरित कर सकते हैं।

आंवले के पेड़ की देखभाल कैसे करें

घर पर गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे आँवला के पौधे लगभग 5-8 साल में फल देने लगते हैं, इसलिए लम्बे समय तक इसकी देखभाल करने की जरूरत होती है। होम गार्डन में लगे आंवला के पेड़ की देखभाल करने के लिए निम्न टिप्स को फॉलो करें, जो इस प्रकार हैं

आंवला के पौधों को शुरूआत में नियमित रूप से पानी देने की आवश्यकता होती है, लेकिन जैसे-जैसे पौधा परिपक्व होता जाता है, उसे कम पानी की आवश्यकता होती है। आँवला के पौधे बड़े होने पर पानी तभी दें, जब पौधे की मिट्टी की ऊपरी परत सूखी दिखाई दें। आप मिट्टी में ऊँगली डालकर जांच कर सकते हैं कि, मिट्टी गीली है या सूखी। एक बात का विशेष ध्यान रखें कि, आंवला के पौधों में फल आते समय जरूरत के अनुसार पौधों को पानी जरूर दें। पौधों को पानी देने के लिए आप वॉटर केन और स्प्रे पंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सन लाइट

आंवला या इंडियन गूसबेरी के पौधों को अच्छी तरह से ग्रो करने के लिए भरपूर धूप की आवश्यकता होती है, इसलिए पौधे लगे गमले या ग्रो बैग को ऐसे स्थान पर रखें, जहां पौधे को आवश्यकता अनुसार धूप प्राप्त हो सके। गर्मी के मौसम में तेज धूप के दौरान पौधे को आंशिक छाया में रखें, क्योंकि तेज धूप के कारण पौधे मुरझा सकते हैं या खराब हो सकते हैं। आप पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए शेड नेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

तापमान और आर्द्रता

गर्मी के मौसम में आँवला के पेड़ में अधिक फूल खिलते हैं, जबकि बरसात (जुलाई से अगस्त) के मौसम में उच्च आर्द्रता की जलवायु फलों की ग्रोथ के लिए हेल्पफुल होती है। अच्छी तरह से ग्रो हो चुका, आँवला का पेड़ 0एष्ट-45एष्ट के टेम्प्रेचर को भी सहन कर सकता है।

खाद और उर्वरक

गमले या ग्रो बैग की मिट्टी (मृदा) में लगे आँवला के पौधे की ग्रोथ के लिए समय-समय पर पुरानी गोबर खाद, वर्मीकम्पोस्ट और घर में सब्जियों के छिलकों से बनी जैविक खाद दे सकते हैं। इसके अलावा आप इंडियन गूसबेरी में फूल लगने के 2-3 सप्ताह पहले खाद दे सकते हैं, ताकि पौधे में अच्छी तरह से फूल खिलने के बाद फल लग सकें।

कीट और रोग

आँवला का पौधा कैटरपिलर, मिली बग्स जैसे कीटों और रस्ट रोग से संक्रमित हो सकता है। रस्ट रोग के कारण आँवला के पौधे के तने, पत्तियों व फलों पर लाल रंग के गोल, अंडाकार धब्बे बन जाते हैं। आप घरेलू कीटनाशकों जैसे नीम तेल, साबुन का स्प्रे आदि का उपयोग करके इन अवांछित कीटों से छुटकारा पा सकते हैं। एक लीटर पानी में 3-4ml नीम तेल और लिक्विड सोप की कुछ बूंदे मिलाएं और इस घोल को स्प्रे पम्प में भरकर पौधे के कीट व रोग ग्रस्त भाग पर छिड़काव करें।

प्रूनिंग

आँवला प्लांट की सूख चुकी ,डैमेज, रोगग्रस्त और उलझी हुई ब्रान्चेस को समय-समय पर हटा देना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पौधा साफ-सुथरा हो जाता और रोग व कीट लगने की संभावना भी कम होती है। इसके अतिरिक्त पौधे से डैमेज भाग हटा देने से पौधे की ऊर्जा व्यर्थ नहीं जाती है, क्योंकि पौधे की जो ऊर्जा खराब भागों में नष्ट हो जाती थी, अब वह पौधे के विकास में उपयोग होती है और फलस्वरूप पौधा हरा-भरा बना रहता है।

मल्चिंग

स्प्रिंग सीजन के बाद घांस, पत्तों से आँवला प्लांट की मल्चिंग कर देना चाहिए, ताकि गर्मी के महीनों में पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे, लेकिन मल्चिंग करने से पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहती है, जिसके कारण पौधे में कीट व रोग लगने की संभावना होती है, इसलिए समय-समय पर पौधे का निरीक्षण करते रहें।

आंवला हार्वेस्टिंग टाइम

आमतौर पर बीज लगाने के लगभग 5-8 साल में आंवला के पेड़ में फल आने लगते हैं। मार्च-अप्रैल में आंवला प्लांट में नई पत्तियां और फूल खिलते हैं तथा फल जुलाई से सितंबर के महीने तक आते रहते हैं। -